पर्यावरण अध्ययन

कक्षा – 3

सत्र 2021–22

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढे एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे –> App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें –> उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

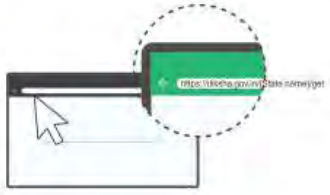

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष – 2021

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

E96HN4

मार्गदर्शन एवं सहयोग

रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)

संयोजक

डॉ. विद्यावती चंद्राकर

सम्पादन

ए.के. भट्ट, डॉ. नीलम अरोरा, अनिता श्रीवास्तव

लेखन

ए.के. भट्ट, जे.एस. चौहान, टी.पी. देवांगन, अनिल वंदे, गायत्री नामदेव, उनीता मेहरा, भागचंद्र कुमावत, के.आर.शर्मा, नूपूर झा

आवरण पृष्ठ

रेखराज चौरागड़े, रायपुर

चित्रांकन

एस. प्रशान्त, अनीता वर्मा

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – .....

प्राक्कथन

ज्ञान के सृजन के लिए शिक्षक और विद्यार्थी दोनों का क्रियाशील होना जरूरी है। सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक विविधता जो राज्य की शक्ति है को किताबों में उभारना एक बड़ी चुनौती रही। ऐसा क्या–क्या किया जाए कि हर बच्चे को यह किताब अपनी सी लगे।

इस आयु वर्ग के बच्चे परिवेश को समग्र रूप में देखते हैं। अतः पुस्तक में बच्चों के परिवेश के प्राकृतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक घटकों को समग्र रूप में प्रस्तुत किए जाने का प्रयास रहा। बच्चों को स्वयं खोज करने, अवलोकन करने, विचार प्रकट करने और निष्कर्ष निकालने के अवसर रचे गए जिससे पुस्तक बाल केन्द्रित बन सके।

पाठ्यपुस्तक में बच्चों को काम करने के विविध अवसर दिए गए हैं जैसे– अकेले, समूह या समुदाय में। पुस्तक में इस बात के लिए भी स्थान निर्मित किए गए हैं कि बच्चे ज्ञान के लिए शिक्षक और पाठ्यपुस्तक के अलावा अन्य स्रोतों से भी मदद लें जैसे– परिवार, समुदाय, समाचार–पत्र, पुस्तकालय इत्यादि। इससे परिवार और समुदाय का स्कूल से जुड़ाव बढ़ेगा।

पाठ्यपुस्तक की रचना करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों जैसे–जंगल, जानवर, पेड़–पौधे, नदियाँ, परिवहन, पेट्रोल, पानी, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदाओं, रिश्ते–नाते, दिव्यांगता आदि के प्रति बच्चों का ध्यान आकर्षित किया जाए जिससे इनके प्रति उनमें सकारात्मक समझ विकसित हो सके। पुस्तकों में दिए गए क्रियाकलाप सुझावात्मक हैं। आप अपने स्तर पर भी इनके बहुत कुछ जोड़ सकते हैं।

मूल्यांकन के तरीके आपके अपने हो सकते हैं परन्तु ये ध्यान रखना चाहिए कि ये सतत, व्यापक व बाल केन्द्रित हों।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 बच्चों की गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने पर जोर देता है। एन.सी.ई.आर.टी. नईदिल्ली द्वारा कक्षा 1–8 तक के बच्चों हेतु कक्षावार, विषयवार अधिगम प्रतिफलों का निर्माण कर सुझावात्मक शिक्षण प्रक्रियाओं का उल्लेख किया गया है जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। अतः सत्र 2018–19 हेतु पुस्तकों को समसामायिक तथा प्रासंगिक बनाया गया है जिससे बच्चों को वांछित उपलब्धि प्राप्त करने के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे। आशा है कि पुस्तकें शिक्षक साथियों तथा बच्चों को लक्ष्य तक पहुँचने में मददगार होंगी।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक के लेखन में हमें विभिन्न शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों, जिला प्रशिक्षण संस्थानों, महाविद्यालयों, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के आचार्यों, स्वयं सेवी संस्थाओं तथा प्रबुद्ध नागरिकों का मार्गदर्शन एवं सहयोग मिला है। हम उनके प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

हम राज्य के प्रबुद्ध वर्ग से निवेदन करते हैं कि इस पुस्तक में आवश्यक संशोधन के सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें जिससे इसमें सुधार किया जा सके।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों व अभिभावकों से

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के साथ ही परिषद् में पुस्तकों की रचना का कार्य आरंभ हुआ। हम सभी जानते हैं कि बचपन से ही बच्चे अपने आस–पास के वातावरण, वहाँ रहने वाले लोगों, जीव–जन्तुओं, नियम–कायदों आदि का अवलोकन करते रहते हैं और इन सब के साथ सम्बन्ध बनाना शुरू कर देते हैं। विद्यालय और घर के आस–पास बच्चों को अक्सर अकेले या समूह में, कुछ खोजबीन करते हुए देखा जा सकता है। सब कुछ जाँचने–परखने के प्रति उनकी स्वाभाविक जिज्ञासा होती है। वे अपने आस–पास की चीज़ों और घटनाओं को बहुत गौर से देखते हैं, उनके गुणों की परख करते हैं, एक चीज़ का दूसरी से मिलान करते हैं और उनमें समानता तथा अंतर देखते हैं। वे चीज़ों के समूह भी बनाते हैं, समूहों को तोड़ते हैं और फिर से नए समूह बना लेते हैं। उन्हें एक पूरी चीज को अलग–अलग भागों में तोड़ने एवं मिलाकर उनको एक नया स्वरूप देने में मज़ा आता है और इस प्रक्रिया में वे काफी कुछ सीखते भी हैं।

पर्यावरण अध्ययन की सामग्री तैयार करते समय बच्चों के स्वाभाविक ढंग से सीखने की प्रक्रिया को आधार बनाया गया है। कक्षा की सांस्कृतिक, सामाजिक विविधता को प्रतिबिम्बित करना एक चुनौती है। यह प्रयास किया गया कि प्रत्येक बच्चों को पुस्तक में अपनी छवि नज़र आए। पुस्तक की विषय–वस्तु बाल केन्द्रित हो।

पूरी पुस्तक में यह ध्यान रखा गया है कि सभी प्रतीक और शब्द बच्चों के आस–पास के हों। जहाँ बहुत जरूरी लगा वहाँ तथ्यात्मक शब्दों का प्रयोग उदाहरण सहित दिया गया है। अध्यापन बोझिल और उबाऊ न हो जाए इसके लिए रोचक गतिविधियाँ दी गयी हैं। इन्हें स्वयं या समूह में करते हुए बच्चे अवधारणाओं का अच्छी तरह आत्मसात कर सकेंगे। पुस्तक में दी गई गतिविधियाँ, उदाहरण और चित्र आदि बच्चों के अनुभवों से सम्बन्धित हों तथा उनके मनोविज्ञान पर आधारित हों, यह ध्यान रखा गया है। आशा है कि शाला और कक्षा के वातावरण को आनन्दमय और रोमांचक बनाए रखने में पुस्तक सहायक होगी।

पाठों में कई जगह इस तरह के निर्देश हैं जिनमें बच्चों को कई मुद्दों पर अपने साथियों, बड़ों, अभिभावकों और अध्यापक से चर्चा करने को कहा गया है। अपेक्षा है कि आप सभी बच्चों के बीच संवाद की स्थिति बनाएँगें और उन्हें विभिन्न मुद्दों पर खुलकर बात करने देंगे। उनकी बातों को सुनें और अगर बच्चों को नतीजों पर पहुँचने में परेशानी आ रही हो तो उनकी मदद करें।

पाठ्य–पुस्तक में दी गई गतिविधियाँ, क्रियाकलाप सुझावात्मक है। गतिविधियों और प्रश्नों को अध्यायों का हिस्सा भी बनाया गया है। शिक्षक साथी इन्हें अपने परिवेश के अनुसार रूपान्तरित कर सकते हैं। गतिविधियों को करने के बाद उन पर चर्चा करें जिससे बच्चे अपने अवलोकनों व निष्कर्षों पर सोचने पर मजबूर होंगे और बच्चों को सीखने में मदद मिलेगी।

इस पुस्तक को तैयार करने में परिषद् को शासकीय तथा अशासकीय क्षेत्रों के अनुभवी अध्यापकों, शिक्षाशास्त्रियों, भाषाविदों का अनवरत सहयोग मिला है परिषद् इन सबके आभारी है।

आपके सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

पाठ्यवस्तु में निहित कौशल

1. अवलोकन करना, पहचानना, जानकारी एकत्र करना व उन्हें दर्ज करना

- स्थानीय, भौतिक परिवेश जैसे– घर, विद्यालय तथा आस–पास पाए जाने वाले पेड़–पौधों एवं जीव–जंतुओं के बारे में उनके गुणधर्मों के आधार पर अवलोकन करना, प्रश्न पूछकर जानकारियाँ एकत्र करना उनको सूचीबद्ध एवं तालिकाबद्ध करना।
- स्थानीय परिवेश के पेड़–पौधों व जीवों की बाह्य संरचना का अवलोकन कर जानकारी एकत्र करना, सूचीबद्ध करना व तालिका बनाना।
- अपने परिवेश के पर्वों से संबंधित जानकारियाँ प्राप्त कर तीन–चार वाक्यों में वर्णन करना।
- भ्रमण पर जाकर, कुछ खास घटनाओं, वस्तुओं को ध्यान से देखना व समझना।
- प्राप्त जानकारियों को व्यवस्थित कर उसे मौखिक एवं लिखित रूप में व्यक्त करना।
- चार्ट, चित्रात्मक या चित्रनुमा नक्शे, मॉडल व चित्रों को पढ़कर उसमें बताई गई बातें समझना।
- छूकर और महसूस करके वस्तुओं के गुणों का पता लगाना।

2. विभेदीकरण, तुलना, वर्गीकरण तथा सामान्यीकरण

- सूचीबद्ध तथा तालिकाबद्ध जानकारियों तथा अवलोकनों के संदर्भ में समानता तथा असमानता ढूँढ़ना।
- सूचीबद्ध तथा तालिकाबद्ध जानकारियों तथा अवलोकनों के गुणधर्म, लक्षण आदि के आधार पर समूहीकरण करना।
- दो या उससे अधिक वस्तुओं में तुलना करना, समानता तथा अंतर ढूँढ़ना।
- परिस्थितियों का क्रम पहचानना, घटनाओं को क्रम में रखना या प्रस्तुत करना।
- तथ्यों के विश्लेषण के आधार पर सरल निष्कर्ष निकालना।

3. पैटर्न, सहसंबंध तथा कल्पनाशीलता का विकास

- जानकारी एवं अनुभवों के आधार पर विभिन्न पैटर्न को समझ पाना।
- मौसम का फलों, सब्जियों, परिधानों के अतिरिक्त अन्य लक्षणों से संबंध जोड़ना ।
- मौसम में परिवर्तन के साथ–साथ जीवों जैसे मनुष्य, मेंढक, छिपकली आदि के क्रियाकलापों एवं व्यवहारों के परिवर्तनों को समझना।
- सूर्य तथा पृथ्वी के सहसंबंधों को तथ्यों के आधार पर समझना।

- सृजनात्मकता को विकसित करना।
- स्थानीय परिवेश के त्यौहारों को मनाने के पीछे प्रचलित मान्यताओं के बारे में पता करना या पढ़कर समझना।
- आदिमानव के रहन–सहन को तब की परिस्थितियों से जोड़कर समझना।

4. समस्याएँ पहचानना, विकल्प सुझाना तथा निर्णय लेना

- कुछ पहेलियों एवं क्रियात्मक समस्याओं का हल ढूँढ़ना।
- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का महत्व समझना।
- कुछ परिस्थितियों में छुपी समस्याओं को पहचानना।

5. कारण, प्रभाव ढूँढना एवं निवारण सुझाना।

- सामान्य मौसमी बीमारियों के बचाव और उपचार के तरीकों को समझना।
- प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग एवं महत्व।
- मौसम में बदलाव को पहचानना एवं रिकार्ड करना।

6. प्रस्तुतीकरण, अभिरुचि, आदतों तथा संवेदनशीलता का विकास

- लोककथा आदि के माध्यम से संवाद बोलकर अभिव्यक्त करना।
- गाँव/शहर के कुछ वर्षों में हुए परिवर्तनों के बारे में जानकारी एकत्र कर प्रस्तुत करना।
- समूह में एक दूसरे की बातें सुनकर अथवा समझकर अपनी बात कह सकना।
- समूह बनाना और अपने समूह में समूह भावना के साथ, सामंजस्य बैठाकर गतिविधियाँ करना।

7. परिकल्पनाएँ बनाना, उन्हें जाँचना, प्रयोग करना, संरचनाएँ तथा प्रक्रियाएँ समझना

- निर्देशानुसार गतिविधियाँ और प्रयोग करना। प्रयोग के आधार पर विश्लेषण करके निष्कर्ष निकालना।
- घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना को जाँचना एवं निष्कर्ष निकालना।

8. चित्र, नक्शा आदि पढ़ना व बनाना

- विभिन्न प्रकार के चित्र बनाना।
- स्थानीय मानचित्र, परिवेश का रेखाचित्र बनाना तथा मुख्य संकेतों को पहचानना।
- मानचित्र में प्रमुख नदियों, फसलों, सड़कों को संकेतों द्वारा पहचानना एवं पढ़ना तथा उनको खाली नक्शे में बनाना।

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
1.	मेरी गुड़िया	01–03
2.	अलग–अलग पर हम सब एक जैसे	04–07
3.	मेरा परिवार	08–11
4.	जीव–जन्तु कैसे–कैसे ?	12–16
5.	पप्पू जी के खिलौने	17–19
6.	सर्दी, गर्मी और बरसात	20–25
7.	क्या किससे बना	26–30
8.	बगिया	31–33
9.	मिट्टी	34–37
10.	हवा	38–43
11.	पानी	44–46
12.	चलो सूरज, धरती और चांद देखें	47–52
13.	घर कैसे–कैसे ?	53–55
14.	कपड़े तरह–तरह के	56–58
15.	सफाई	59–62
16.	जरूरी बातें	63–65
17.	हमारा भोजन	66–69
18.	हमारे त्यौहार	70–74
19.	शाला के त्यौहार	75–77
20.	हमारे काम धंधे	78–82
21.	जरा संभल के	83–86
22.	संकेतों की दुनिया	87–90
23.	आओ नक्शा बनायें	91–95
24.	आओ सवारी करें	96–100
25.	घटती दूरियाँ	101–104
26.	लुढ़कता चले पहिया	105–107
27.	आओ खेलें–खेल	108–112
28.	राजू गया तालाब पर	113–115

सीखने के प्रतिफल

सुझावात्मक शिक्षण प्रक्रियाएँ

सीखने वाले को व्यक्तिगत/जोड़ों/समूहों में अवसर देना तथा प्रोत्साहित करना।

- समीपस्थ परिवेश में स्थित घर, शाला तथा आस–पास की विभिन्न वस्तुओं/पौधों/जंतुओं/ चिड़िया (पक्षियों) के मूर्त/ साधारण अवलोकन योग्य शारीरिक लक्षणों (विविधता, बनावट, गति, रहने के स्थान/जहाँ वे पाए जाते हैं, आदतों, आवश्यकताओं, व्यवहार आदि के आधार पर खोजबीन करना।
- अपने घर/परिवार तथा जिनके साथ रहता है, वे लोग जो काम करते हैं, उनके साथ संबंध, उनके भौतिक लक्षणों व आदतों का अवलोकन तथा खोजबीन कर अपने अनुभवों को विभिन्न तरीकों से प्रस्तुत करना।
- अपने आस–पास में परिवहन के साधनों, संचार तथा व्यक्ति क्या काम करते हैं की खोज बीन करना।
- अपने घर/शाला के रसोईघर में भोज्य पदार्थों, पात्रों, ईंधन तथा खाना पकाने की प्रक्रिया का अवलोकन करना।
- बड़ों से चर्चा कर यह पता लगाना कि हमें/ चिड़िया(पक्षियों)/ जन्तुओं को जल, भोजन कहाँ से मिलता है। (पौधे/जन्तु, पौधों का कौन सा भाग खाया जाता है आदि) रसोई घर में कौन काम करता है? कौन क्या खाता है? अंत में कौन खाता है।
- आस–पास के विभिन्न स्थलों का भ्रमण करना जैसे – बाज़ार में खरीदने, बेचने की प्रक्रिया का अवलोकन, एक पत्र का पोस्ट ऑफिस से घर तक की यात्रा स्थानीय जल स्रोत आदि।
- बिना किसी भय तथा हिचकिचाहट के अपने बड़ों तथा साथियों से उनका निर्माण करना तथा उन पर प्रतिक्रिया करना।
- अपने अनुभवों/अवलोकनों को चित्र बनाकर/संकेतों/ चिन्हों/ शरीर संचालन द्वारा मौखिक रूप से कुछ शब्दों/सरल वाक्यों में अपनी भाषा में व्यक्त करना।
- वस्तुओं/Entities को अवलोकन करने योग्य समान और भिन्न लक्षणों के आधार पर विभिन्न संवर्गों में बाँटना।
- पालकों/माता–पिता/दादा–दादी, नाना–नानी/ आस–पड़ोस के बुजुर्गों से चर्चा कर उनके भूतकाल तथा वर्तमान जीवन में दैनिक उपयोग में लायी गई चीजें जैसे – कपड़े, बर्तन उनके आसपास के लोगों द्वारा किए गए कार्य, खेलों की तुलना करना।

सीखने की संप्राप्ति (Learning Outcomes)

सीखने वाले

E301. समीपस्थ परिवेश में उपलब्ध पेड़ों की पत्तियों, तनों एवं छाल को साधारण अवलोकन द्वारा पहचाने जाने वाले लक्षणों (आकार, रंग, बनावट, गंध) के आधार पर पहचानता है।

E302. समीपस्थ परिवेश में पाए जाने वाले जन्तुओं एवं पक्षियों को उनके सामान्य लक्षणों (जैसे – गति, स्थान जहाँ वे पाए जाते हैं, रखे जाते हैं, भोजन आदतों उनकी ध्वनियों के आधार पर पहचानता है।

E303. परिवार के सदस्यों के साथ संबंध तथा उनके आपस के संबंधों को पहचानता है।

E304. अपने घर/शाला/आस–पास की वस्तुओं, संकेतों (पात्र, स्टोव, यातायात, संप्रेषण के साधन साइनबोर्ड) स्थान (विभिन्न प्रकार के घर/आश्रय, बस गतिविधियाँ (लोगों के कार्यों, खाना बनाने की प्रक्रिया आदि) को पहचानता है।

E305. विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों, जन्तुओं और पौधों के लिए पानी तथा भोजन की उपलब्धता एवं घर तथा परिवेश में जल के उपयोग का वर्णन करते हैं।

E306. मौखिक/लिखित/अन्य तरीकों से परिवार के सदस्यों की भूमिका, परिवार का प्रभाव (गुणों/लक्षणों/ आदतों/व्यवहार में) मिलजुलकर रहने की आवश्यकता का वर्णन करते हैं।

E307. वस्तुओं, पक्षियों, जन्तुओं के लक्षणों, गतिविधियों में समानता, अंतर (स्वरूप, रहने के स्थान/भोजन/गति पसंद–नापसंद तथा अन्य लक्षणों) को विभिन्न संवेदी अंगों के उपयोग के द्वारा पहचान कर समूह बनाते हैं।

E308. वर्तमान एवं भूतकाल (व्यस्कों के साथ) वस्तुओं तथा गतिविधियों (जैसे –कपड़ों/बर्तनों/खेले जाने वाले खेलों/व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों में अंतर करता है।

- अपने आस–पास से कंकड़, मोती, गिरी हरी पत्तियाँ, पंखों, चित्रों आदि वस्तुओं को एकत्रित कर उन्हें नवीन तरीकों से व्यवस्थित करना जैसे – ढेर बनाना, थैली में रखना, पैकेट बनाना।
- किसी भी घटना, परिस्थिति पर विचार करने/कहने से पहले उसकी संभावित तरीकों से जाँच करना, पुष्टि करना, परीक्षण करना। उदाहरण – समीपस्थ वस्तु या स्थान तक किसी दिशा (दाएँ/बाएँ/सामने/पीछे) से पहुँचना, समान आयतन के किस पात्र में अधिक जल रखा जा सकेगा, किसी मग या बाल्टी में कितने चम्मच पानी आएगा।
- विभिन्न संवेदी अंगों के उपयोग द्वारा अवलोकन, गंध, स्वाद, स्पर्श, सुनना आदि हेतु सरल गतिविधियों तथा प्रयोगों को करना।
- प्रयोगों और गतिविधियों से प्राप्त अवलोकन तथा अनुभवों को मुखाग्र/अंग संचालन/आकृतियों/सारणी अथवा सरल वाक्यों द्वारा लिखकर बताना।
- स्थानीय तथा अनुपयोगी सामग्री, सूखी गिरी हुई पत्तियों, मिट्टी, कपड़ा, कंकड़, रंगों के उपयोग से चित्रों, मॉडलों, डिजाईन, कोलॉज आदि को नया रूप देना उदाहरण मिट्टी का उपयोग कर बर्तन/पात्र, जन्तुओं, चिड़ियों (पक्षियों), वाहनों को बनाना, खाली माचिस की डिब्बियों तथा कार्ड बोर्ड से फर्नीचर बनाना आदि।
- परिवेश में पाए जाने वाले पालतू जानवरों या चिड़ियों (पक्षियों) तथा अन्य जन्तुओं के साथ अपने संबंधों के अनुभवों को बांटना।
- समूहों में कार्य करते समय सक्रिय सहभागिता करना तथा दूसरों का ख्याल रखना, भावनाओं का आदान–प्रदान करना तथा नेतृत्व करना। उदाहरण – विभिन्न भीतर/बाहर/स्थानीय/समयानुसार आयोजित गतिविधियों तथा खेलों, प्रोजेक्टर आदि के दौरान पौधों का ख्याल रखना/चिड़ियों/जंतुओं को भोजन देना।
- घर, शाला तथा पास–पड़ोस में स्टीरियों टाइप या विभेदीकरण व्यवहार जैसे पुरूषों तथा महिला सदस्यों की भूमिका, उनके लिए भोजन की उपलब्धता, स्वास्थ्य संबंधी सुविधा, शाला भेजे जाने के संबंध में तथा बुजुर्गों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की आवश्यकताओं के संबंध में प्रश्न उठाना, चर्चा करना, समालोनचनात्मक तरीके से सोचना और उससे जुड़े अपने अनुभवों को व्यक्त करना।
- पाठ्यपुस्तकों के स्तर अन्य स्रोतों जैसे चित्रों, पोस्टर, साइनबोर्ड, पुस्तकों, दृश्य–श्रृव्य सामग्रियों, समाचार पत्रों, क्लिपिंग्स, कहानियों/कविताओं, वेब स्रोतों, डॉक्यूमेंट्री (छोटी फिल्मों) पुस्तकालय आदि में पढ़ना तथा नयी बातें खोजना।

E309. दिशाओं, वस्तुओं की स्थिति, सामान्य नक्शे में जगहों/घर/कक्षा/शाला को संकेतों/चिन्हों अथवा मौखिक रूप से पहचान पाता है।

E310. दैनिक जीवन की गतिविधियों में वस्तुओं के गुणों तथा मात्राओं का अनुमान लगाता है तथा उन्हें संकेतों एवं अमानक इकाईयों (बित्ता/चम्मच/मग) आदि द्वारा जाँच करता है।

E311. भ्रमण के दौरान विभिन्न तरीकों से एकत्रित की गई वस्तुओं/गतिविधियों/जगहों का अवलोकन, अनुभव, जानकारियाँ दर्ज करना तथा पैटर्न विकसित करते हैं उदाहरण चन्द्रमा का आकार, मौसम आदि।

E312. चित्र, ड्राईंग तथा आकृतियाँ बनाता है, किसी वस्तु का ऊपर सामने, पार्श्व दृश्य बनाता है, कक्षा–कक्ष, घर, शाला के हिस्से आदि का नक्शा बनाता है। स्लोगन तथा कविता आदि बनाता है।

E313. स्थानीय, भीतर तथा बाहर खेले जाने वाले खेलों के नियम तथा सामूहिक कार्यों का अवलोकन करता है।

E314. अच्छे बुरे स्पर्श के आधार पर परिवार में कार्य/खेल/भोजन के संबंध में स्टीरियो टाइप व्यवहार पर परिवार तथा शाला में भोजन तथा पानी के दुरूपयोग पर अपनी आवाज उठाता है। अपना मत रखता है। अपने आस–पास के पौधों, जन्तुओं बड़ों, विशेष आवश्यकता वालों तथा पारिवारिक व्यवस्था (रंग–रूप, क्षमताओं, पसन्द/नापसंद तथा भोजन तथा आश्रय संबंधी मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता में विविधता) के प्रति संवेदनशीलता दिखाता है।

विषय–सूची (Contents)

अध्याय	पाठ का नाम	LOs (सुझावात्मक)
1.	मेरी गुड़िया	E301, E305, E306
2.	अलग–अलग पर हम सब एक जैसे	E301, E302, E307, E310
3.	मेरा परिवार	E303, E306, E314
4.	जीव–जन्तु कैसे–कैसे ?	E302, E305, E307, E315
5.	पप्पू जी के खिलौने	E302, E307, E308, E310, E311, E315
6.	सर्दी, गर्मी और बरसात	E302, E305, E307, E311, E313, E315
7.	क्या किससे बना	E301, E304, E307, E308
8.	बगिया	E301, E305, E315
9.	मिट्टी	E301, E305, E309, E310
10.	हवा	E301, E304, 307, E310, E311
11.	पानी	E302, E305, E308, E310, E314, E315
12.	चलो सूरज, धरती और चांद देखें	E310, E311, E312
13.	घर कैसे–कैसे ?	E302, E306, E308, E309
14.	कपड़े तरह–तरह के	E301, E302, E308, E312
15.	सफाई	E306, E307, E310, E315
16.	जरूरी बातें	E302, E306, E307, E310, E315
17.	हमारा भोजन	E301, E302, E304, E305, E306, E315
18.	हमारे त्यौहार	E304, E306, E307, E313
19.	शाला के त्यौहार	E304, E306, E307, E313
20.	हमारे काम धंधे	E304, E308, E311
21.	जरा संभल के	E304, E308, E309, E310, E312
22.	संकेतों की दुनिया	E304, E309, E310, E311, E312, E315
23.	आओ नक्शा बनायें	E304, 309, E312, E315
24.	आओ सवारी करें	E304, E308, E309, E311
25.	घटती दूरियाँ	E302, E304, E310, E315
26.	लुढ़कता चले पहिया	E302, E304, E310, E315
27.	आओ खेलें–खेल	E308, E310, E313
28.	राजू गया तालाब पर	E314, E315

सुझावात्मक रूब्रिक्स

Chapter अध्याय	Sub topic उप विषय	Level 1 स्तर 1	Level 2 स्तर 2	Level 3 स्तर 3	Level 4 स्तर 4
पाठ के बाद विद्यार्थी कर सकेंगे		पहचानना, याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, लेबल करना, वर्णन करना। क्या वाले प्रश्नों के हल	अर्थ जानना, तुलना करना, समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना, वर्गीकरण, अंतर लिखना। क्यों और कैसे वाले प्रश्नों के हल	खोजबीन करना, प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना, सर्वे करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना, रचनात्मकता
1. मेरी गुड़िया	• अंगों के नाम • अंगों के कार्य, कार्यों के आधार पर अंगों की जानकारी • मेरी गुड़िया कविता	• अंगों के नाम जानना एवं • कविता सुनना	• कार्यों के आधार पर अंगों का उदाहरण देना। कविता के आधार पर अंगों की व्याख्या करना। • अंगों के अन्य उदाहरण देना।	• अंगों के नामों का चित्रण करना। • अंगों के उपयोग बताना।	• अंगों की तुलना करना। • अंगों का वर्गीकरण।
E301, E305, E306, E307					

1

मेरी गुड़िया

DPZ9XQ

गुड़िया की हैं आँखें भूरी
गुड़िया के हैं गोरे गाल,
पाँव लचीले दो लगाए
हाथ रँगीले चौड़ा भाल।

लाल–लाल दो छोटे होंठ
चुनरी पर है उसके गोट,
धरती पर जाती है लोट
लगती नहीं है उसको चोट।

क्या कहूँ उसकी लम्बी नाक
कान तक लटके लम्बे बाल,
सज धज कर लगती है प्यारी
मेरी गुड़िया सबसे न्यारी।

कविता में गुड़िया के कौन–कौन से अंगों के नाम आये हैं उन्हें लिखो।

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

क्या तुम बता सकते हो कि हमारे शरीर में इनके अलावा और कौन–कौन से अंग हैं? लिखो।

1. ———————————— 5. ————————————

2. ———————————— 6. ————————————

3. ———————————— 7. ————————————

4. ———————————— 8. ————————————

तुम सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक बहुत सारे काम करते हो? दिन भर में किए जाने वाले कुछ काम एवं काम किन अंगों की सहायता से करते हो, तालिका में लिखो।

सरल क्रमांक	काम (कार्य)	किस अंग की सहायता से करते हैं ?
1.	चलना	पैरों की सहायता से
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		
8.		

हमारा शरीर विभिन्न अंगों से मिलकर बना है। प्रत्येक अंग का अपना एक अलग महत्व है। हर अंग अलग–अलग काम करने में मदद करता है।

नीचे दी गई तालिका में कुछ काम लिखे गये हैं। अपने एक हाथ से इन कामों को करने की कोशिश करो और तालिका में (√) या (X) का निशान लगाओ।

क्र.	काम	एक हाथ से कर सकते हैं	एक हाथ से नहीं कर सकते हैं
1	चुटकी बजाना		
2	ताला लगाना		
3	ताली बजाना		
4	लिखना		
5	चोटी बनाना		

कई काम ऐसे होते हैं जिनमें हमें एक साथ कई अंग काम में लेने पड़ते हैं। दो ऐसे काम लिखो जिन्हें करने के लिए हाथ के साथ–साथ पैर भी काम आते हैं।

____

____

DQ751A

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. हमारे शरीर में कौन–कौन से अंग दो–दो हैं?
2. दर्जी, गाने वाला और शिक्षक अपना काम करते समय किन–किन अंगों का उपयोग करेंगे।

लिखित

1. यदि जीभ एवं हाथ न हों तो क्या परेशानी होगी, लिखो।
2. नीचे दिए गए शब्दों में से जो शब्द अलग है उस पर गोला लगाओ और उससे जुड़े शरीर के अंग का नाम लिखो–

(i) खाना, पीना, बोलना, चलना ——— पैर ————

(ii) चलना, सुनना, दौड़ना, कूदना ————————

(iii) पकड़ना, लिखना, भागना, छूना ————————

(iv) रोना, चबाना, देखना, घूरना ————————

(v) कठोर, कोमल, गरम, देखना ————————

खोजो आस–पास

1. पता करो कि तैरने में हमारे कौन–कौन से अंगों का उपयोग होता है?

DQ95ZD

2

अलग–अलग पर हम सब एक जैसे

हम सभी के हाथ, पैर, मुँह, नाक आदि अंग होते हैं फिर भी हम एक–दूसरे से अलग दिखते हैं। हम एक–दूसरे को देखते ही पहचान लेते हैं। एक जैसे होते हुए भी हम एक–दूसरे से अलग कैसे हैं? आओ पता करें –

अपने दायें हाथ की हथेली को नीचे बनी खाली जगह में रखो और हथेली का चित्र बनाओ।

दायीं हथेली

अपनी हथेली के चित्र को अपने साथी की हथेली के चित्र से मिलाकर पता करो –

1. क्या दोनों की हथेली समान हैं?
   ————————————
2. किसकी हथेली बड़ी है?
   ————————————
3. किसके हाथों की उंगलियाँ छोटी हैं ?
   ————————————
4. अपने दोनों हाथों की हथेलियों की रेखाएँ देखो, क्या ये रेखाएँ एक सी हैं ?
   ————————————

अब चॉक की सहायता से जमीन पर अपने दायें पैर के पंजे का चित्र बनाओ। इस कार्य में आप अपने साथी की मदद ले सकते हो। उसी चित्र पर अपने साथी के दायें पैर के पंजे का चित्र भी बनाओ और देखो –

क्या दोनों के पंजे बराबर हैं? ————————————

किसका पंजा लम्बा है? ————————————

अपने दो साथियों के चेहरों को ध्यान से देखो –

क्या दोनों के चेहरे एक जैसे हैं?

————————————

कक्षा के बाकी बच्चों के चेहरों को भी देखो –

किन–किन बच्चों के चेहरे गोल हैं?

————————————

किन बच्चों के चेहरे लम्बे हैं?

————————————

अपनी कक्षा के सबसे लम्बे एवं सबसे छोटे बच्चे का नाम लिखो –

किसका कद लम्बा है?

————————————

किसका कद छोटा है?

————————————

हम सभी के शरीर के अंग एक जैसे होते हुए भी आकार व बनावट आदि में अलग–अलग होते हैं।

हम सभी में कुछ खास बातें होती हैं जिनकी मदद से हम एक–दूसरे को पहचानते हैं। तुम्हारे दोस्तों में भी कुछ खास बातें होंगी जिनकी मदद से तुम उन्हें पहचानते होगे। यहां नीचे अपने 3 दोस्तों की खास–खास बातें लिखो।

दोस्तों के नाम लिखो

1. ———————— 2. ———————— 3. ————————

पहला दोस्त ————————————————————————————

————————————————————————————

————————————————————————————

————————————————————————————

दूसरा दोस्त ————————————————————————————

————————————————————————————

————————————————————————————

————————————————————————————

तीसरा दोस्त ————————————————————————————

————————————————————————————

————————————————————————————

हमने क्या सीखा

मौखिक

1. तुम्हारे दोनों हाथों को मिलाकर कितनी उंगलियां और अंगूठे हैं?
2. तुम्हारी कक्षा के गोल चेहरे व लम्बे चेहरे वाले दो–दो छात्रों या छात्राओं के नाम बताओ।

लिखित

1. तुम्हारी कक्षा के तुमसे लम्बे कद वाले चार लड़कों या लड़कियों के नाम लिखो।
2. अपने से छोटे कद वाले चार दोस्तों के नाम बताओ।
3. तुम्हारी कक्षा में तुम्हारे कद के लड़के–लड़कियों को ढूंढो और उनमें तुम्हें क्या अंतर दिखाई देता है।
   (रंग, मोटा–पतला, आवाज, बाल, लड़का, लड़की)

खोजो आस–पास

ध्यान से देखो और बताओ

यहाँ पर दो चित्र एक जैसे बने हुए हैं लेकिन दोनों चित्र में कुछ अंतर है, क्या तुम उन अंतरों को ढूंढ सकते हो। ढूंढकर बताओ।

DQG12X

DQI221

3

मेरा परिवार

ये चित्र एक परिवार का है। क्या सभी परिवार ऐसे ही होते हैं? इस परिवार में माता–पिता और बच्चे हैं। आओ अब कुछ और परिवारों के बारे में जानें –

रमा कांकेर में रहती है। वह अपनी माँ, पिताजी, दादा, दादी, ताऊजी, चाचा, बुआजी और भाई के साथ रहती है। सबका खाना नीचे रसोई में एक साथ बनता है। सभी की कोशिश होती है कि सभी मिलकर खाना खाएँ।

रमा की माँ शाम को सब बच्चों को पढ़ाती है। घर के अन्य काम परिवार के सदस्य मिल–जुलकर करते हैं। अभी–अभी रमा के चाचा की शादी हुई है जिससे रमा के परिवार में एक नए सदस्य के रुप में चाची आ गई हैं। अगले माह बुआजी की शादी है, वह अपने ससुराल चली जाएगी। रमा के भाई की नौकरी पूना में लग गई है, अगले माह से भाई पूना रहने चला जाएगा।

लक्ष्मी अपनी माँ और नाना–नानी के साथ महासमुंद में रहती है। उसकी माँ का नाम मीनाक्षी है। मीनाक्षी ने शादी नहीं की है। उसने लक्ष्मी को गोद लिया है। मीनाक्षी शिक्षिका है। जब वह स्कूल जाती है तो लक्ष्मी की देखभाल उसके नाना–नानी करते हैं। वे ही उसे खाना खिलाते हैं और स्कूल के काम में उसकी मदद करते हैं। कभी–कभी लक्ष्मी के घर मामा–मामी और मौसा–मौसी के बच्चे भी आ जाते हैं। ये सब मिलकर खूब खेलते हैं और एक–दूसरे की मदद करते हैं।

अब तुम समझ गए होंगे कि परिवार क्या है? और सभी परिवार एक जैसे नहीं किन्तु अलग–अलग होते हैं। यहाँ रमा के परिवार को वंश वृक्ष द्वारा दर्शाया गया है –

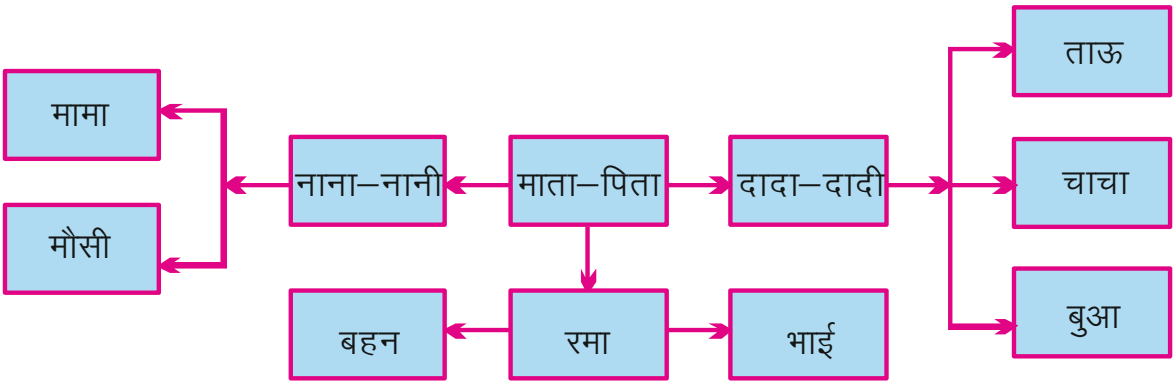

चलो अब तुम भी अपने परिवार का वंश वृक्ष अपनी कॉपी में बनाओ। इसके लिए किसी बड़े की मदद लो।

दिए गए वाक्यों को पढ़ो और जो सही है उस पर (3) का निशान लगाओ।

आमतौर पर एक परिवार के लोग आपस में एक–दूसरे जैसे दिखते हैं।

परिवार के लोगों का आपस में बहुत प्यार होता है।

एक परिवार में जन्म होने या शादी होने से हम उस परिवार का हिस्सा हो जाते हैं।

परिवार में बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल होती है।

परिवार में सदस्यों का आपस में झगड़ा हो तो भी प्यार बना रहता है।

1. तुम्हारे परिवार में कौन–कौन हैं? उनके नाम और उनका तुमसे क्या रिश्ता है? लिखो।

नाम	तुमसे रिश्ता	नाम	तुमसे रिश्ता
राशि	बहन		

2. अपने परिवार के सदस्यों के गुण लिखो?

क्र.	सदस्य	गुण
1.	माँ	कम्प्यूटर में सभी प्रकार के काम कर लेती हैं।

3. परिवार में सभी सदस्य मिल–जुलकर काम करते हैं। तुम अपने परिवार के सदस्यों के कामों में किस तरह मदद करते हो? लिखो?

.....

.....

.....

4. क्या तुम्हारे घर में सब एक साथ खाना खाते हैं? यदि नहीं तो क्यों?

.....

.....

5. सबसे आखिर में खाना कौन खाता है?

.....

.....

6. खाना बनाने में कौन मदद नहीं करता और क्यों?

.....

.....

7. हम परिवार में एक–दूसरे से बहुत कुछ सीखते हैं। नंदनी ने अपने चाचा से साइकिल चलाना सीखा। तुमने भी अपने परिवार से बहुत कुछ सीखा है क्या और किससे? क्या किसी को तुमने भी कुछ सिखाया है?

.....

.....

.....

.....

8. नीचे कुछ बातें लिखी गई हैं। इनके बारे में सोचो और लिखो? जैसे –
   जब मैं उदास हो जाती हूँ तब मैं ..... के पास जाती हूँ।
   जब मुझसे कोई गलती हो जाती है तो मैं ..... के पास जाती हूँ।
   मैं कोई खुशखबरी सबसे पहले ..... को सुनाती हूँ।
   ऐसी और भी बातें अपनी कॉपी में लिखें।
9. रमा अपने दादा–दादी को जोर–जोर से समाचार–पत्र पढ़ कर सुनाती हैं। तुम अपने परिवार के बुजुर्गों की कैसे मदद करते हो?

हमने क्या सीखा

मौखिक

1. तुम अपने परिवार के छोटे सदस्यों की मदद कैसे करते हो?
2. क्या तुम्हारा परिवार कोई काम–धंधा करता है? यदि हाँ तो क्या?
3. इस काम तुम क्या मदद करते हो।

लिखित

1. इस तालिका में रिश्ते (माता, पिता, भाई, बहन, चाचा, चाची, ताऊ, ताई, दादा, दादी) ढूँढे एवं उन पर गोला लगाओ –

ल	पि	ब	पो	चा	ची
मा	ता	ह	ता	ड	दा
ता	ख	न	मा	मी	दा
ध	ता	ऊ	ता	ई	सु
भा	ई	न	चा	अ	ग
छ	ख	ज	चा	दा	दी

2. क्या तुम्हारे परिवार के अपने कुछ रिवाज हैं? यदि हाँ तो कौन–कौन से?
3. क्या तुम्हारे परिवार में किसी की कोई खास आदत है, जैसे – जोर से हँसना, मजाक करना लिखो।

खोजो आस–पास

एक परिवार में किन–किन कारणों से बदलाव आते हैं ? अपने आस–पास पता कर अपने कक्षा में इस पर बातें करें। मुख्य बातों को कॉपी में लिखो।

DQPH4K

DQRX3N

4

जीव–जन्तु कैसे–कैसे?

हमारे आस–पास कई तरह के जीव–जन्तु रहते हैं। खेलते समय या शाला जाते–आते समय तुमने बहुत सारे जीव–जन्तुओं को देखा भी होगा। उनके नाम लिखो–

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

ये एक जगह से दूसरी जगह कैसे जाते हैं? छाँटकर सही खाने में नाम लिखो–

क्र.	तैरकर	चलकर	उड़कर	फुदककर	रेंगकर
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					

हर जीव–जन्तु के शरीर की बनावट अलग–अलग होती है और उनका खाना भी अलग–अलग होता है।

आगे दी गई तालिका को भरने की कोशिश करो। यदि न भर पाओ तो अपने गुरुजी की मदद ले सकते हो।

नाम	कितनी टाँगे हैं	क्या खाते हैं
तितली	6	फूलों का रस
मेंढ़क		
चिड़िया		
छिपकली		
गाय		
चूहा		

तितली रानी, तितली रानी,
रंग–बिरंगे पंखों वाली।
फूल–फूल पर डोल रही है,
देखो होकर के मतवाली।

तुम भी अपनी पसंद के किसी जीव–जन्तु पर एक कविता लिखो एवं उससे संबंधित चित्र ढूंढो और चिपकाओ –

_____

_____

_____

_____

मछली का शरीर आगे और पीछे से नुकीला और बीच से चौड़ा होता है। शरीर की यह बनावट, पंख और पूँछ तैरने में उसकी मदद करते हैं।

तुमने बहुत सारे जीव–जन्तुओं को देखा है। किसी एक के बारे में 4 वाक्य लिखो।

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

सभी जीव–जन्तुओं के शरीर अलग–अलग तरह के होते हैं। किसी के सींग होते हैं, किसी के नहीं। किसी के कान होते हैं, किसी के नहीं।

तालिका में दिए गए अंगों के नाम के आगे उन जन्तुओं के नाम लिखो जिनमें वह अंग पाया जाता है।

अंग	जंतु का नाम
पंजे	
सूंड	
पूँछ	
चोंच	
पंख	
टाँग	
सींग	

ऐसे दो जंतुओं के नाम लिखो जिनकी टाँगें नहीं होती हैं।

निम्नलिखित आवाजों को पहचानकर उनके सामने उस जन्तु के नाम लिखें जो यह आवाज निकालता है –

आवाज	जीवों के नाम
म्याऊँ – म्याऊँ	
काँव – काँव	
चीं –चीं	
भौं – भौं	
कूकडूँ – कूँ	

इसी तरह और भी अन्य जीव–जन्तुओं के आवाजों की सूची बनाइए।

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

नाम बताओ –

1. तैरने वाले दो जीव
2. उड़ने वाले दो जीव
3. फुदकने वाले दो जीव

लिखित

1. मछली का शरीर कैसा होता है?
2. चिड़िया चोंच से क्या करती है?

मिलान करो –

1.	हाथी	लाल चोंच
2.	ऊँट	कलगी
3.	तोता	कूबड़
4.	मुर्गा	सूँड

कौन क्या खाता है ? उसे लाइन खींचकर मिलाओ। एक उदाहरण दिया है –

DR1T5B

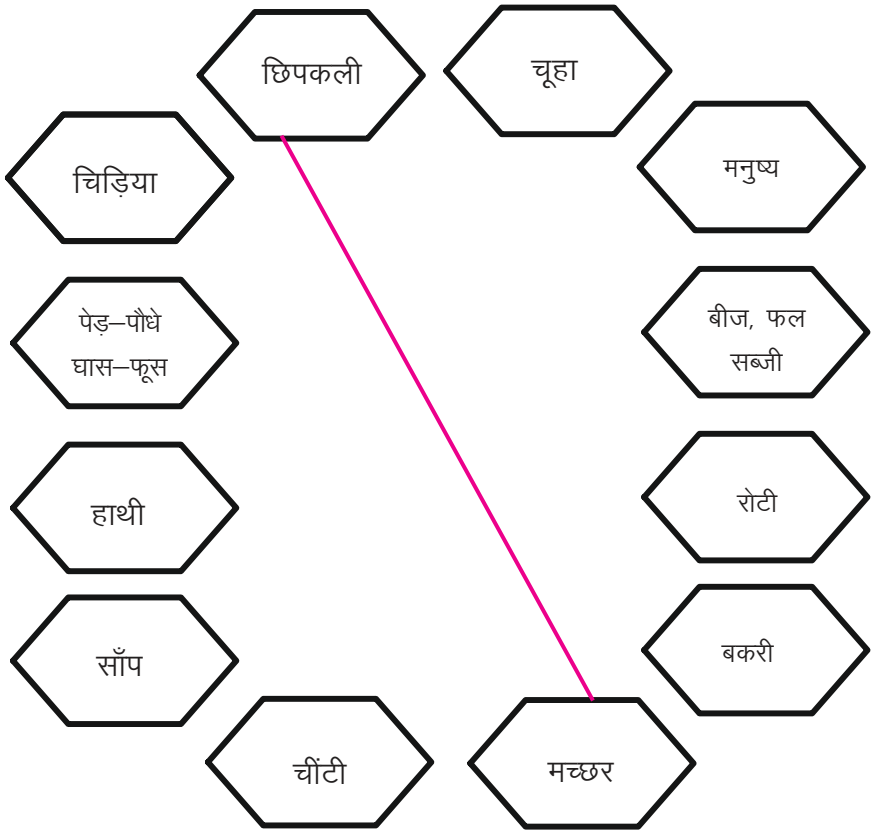

खोजो आस–पास

इन जन्तुओं की सूची बनाओ –

1. अण्डे देने वाले 2. बच्चे देने वाले

5

पप्पू जी के खिलौने

DRAP6Y

पप्पू जी के कई खिलौने,
हाथी ऊँट और मृग छौने।
गुड़िया, बुढ़िया, भालू, बंदर,
अच्छे–अच्छे सुन्दर–सुन्दर।
गए एक दिन वह चिड़ियाघर,
देखे हाथी, भालू, बन्दर।

उन्हें देखकर वह चकराया,
सहमे सहमे घर को आया।
देखा, चुप–चुप पड़े खिलौने,
लगे, उसे वे छोटे, बौने।
लेकिन मन में लगा सोचने,
अगर चलने लगे खिलौने।

फिर क्या हो? डर के मारे,
छुप कर बैठे रहे बेचारे।
सोचा हाथी अभी उठेगा,
ऊँट अभी, बस करवट लेगा।
बीत गया यों समय बहुत पर,
उठा न कोई करवट लेकर।

बड़े हुए जब नहीं खिलौने,
हुए नहीं वे दुगुने तिगुने।
पप्पू जी का डर तब भागा,
जब उनमें कुछ साहस जागा।
फिर उन सबको वे लेकर बैठे,
सबके कान पकड़कर ऐंठे।

1. पप्पू जी के खिलौनों की सूची बनाओ।

1. ———————— 4. ————————
2. ———————— 5. ————————
3. ———————— 6. ————————

2. पप्पू जी ने चिड़ियाघर में क्या–क्या देखा?

———————— ———————— ————————

पप्पू जी के खिलौने जो काम कर सकते हैं उसके आगे सही (√) का और जो नहीं कर सकते हैं उसके आगे गलत (**x**) का निशान बनाओ –

1. उठते बैठते हैं। ( )
2. स्वयं चल फिर सकते हैं। ( )
3. खाना खाते हैं। ( )
4. साँस लेते हैं। ( )
5. बोलते हैं। ( )

तुमने अपने आस–पास पाये जाने वाले जानवरों को क्या–क्या करते देखा है?

क्र.	नाम	जानवर क्या कर रहा था?
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

बन्दर, हाथी, गाय, भैंस, नीम का पेड़, टमाटर का पौधा आदि जीवित हैं।
नीचे कुछ चीजों के नाम दिए गए हैं उन्हें छाँटकर तालिका में लिखो।

घर, मुर्गी, गाय, कुर्सी, पत्थर, खरगोश, कार, छोटा बच्चा, गुलाब का पौधा, पेंसिल, शेर, बस्ता, पेड़, कलम, बन्दर, तोता, भैंस, नाव

क्र.	जीवित	क्र.	जीवित नहीं
1.		1.	
2.		2.	
3.		3.	
4.		4.	
5.		5.	
6.		6.	

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. जंतु और पौधे में दो अंतर बताओ।
2. जानवरों की ऐसी दो बातें बताओ जो उन जानवरों के खिलौनों में नहीं होती है?

लिखित

1. जो सबसे अलग है उसे छाँटकर सामने वाले डब्बों में लिखो –

(अ) जूता, पर्स, पैंसिल, बिल्ली, खाट
(इनमें से कौन बोलता?)

(ब) कौआ, मोर, पेड़ और तोता
(कौन एक जगह ही खड़ा होता?)

(स) पेड़, कापी, गधा और चीता
(कौन नहीं जो कद में बढ़ता?)

DRJK8L

खोजो आस–पास

1. एक चार्ट पर पाँच सजीव (जीवित) और पाँच निर्जीव (जीवित नहीं)के चित्र काट कर चिपकाओ।
2. किसी बुजुर्ग से पता करें क्या कोई ऐसे पेड़ पौधे हैं, जो उस समय होते थे जब वे छोटे थे, लेकिन अब वे दिखाई नहीं देते ?

DRTGA9

6

सर्दी, गर्मी और बरसात

साल भर में कभी तो खूब गर्मी होती है, इतनी धूप कि घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। कभी इतनी सर्दी होती है कि बदन काँपने लगता है। कभी बरसात होती है तो सब तरफ गीला–गीला हो जाता है।

तुम्हें इनमें से कौन से मौसम के दिन सबसे अच्छे लगते हैं। गर्मी के दिन/बरसात के दिन/सर्दी के दिन ——————————

सोचकर बताओ कि ये दिन तुम्हें अच्छे क्यों लगते हैं? ——————————

——————————————————————————————

——————————————————————————————

बरसात के दिनों में हमारे दैनिक जीवन में बहुत कुछ बदल जाता है। लोग छाते, पॉलिथीन की बरसाती (रेनकोट) साथ लेकर चलते हैं। बहुत से काम इन्हीं दिनों (मौसम में) में किए जाते हैं, जैसे खेतों में फसलों की बुवाई।

बरसात के चित्र में तुम्हें कौनसी खास बात दिख रही है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

बारिश के दिनों में तुम्हारे घर में क्या–क्या होता है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

इन दिनों तुम्हारे गाँव/शहर में क्या–क्या होता है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

बारिश के समय में तुम्हारा मोहल्ला या गाँव कैसा दिखता है? अपनी कॉपी में इसका चित्र बनाओ।

दिए गए चित्रों को ध्यान से देखकर अगले पन्ने पर दी गई बातों के बारे में लिखो–

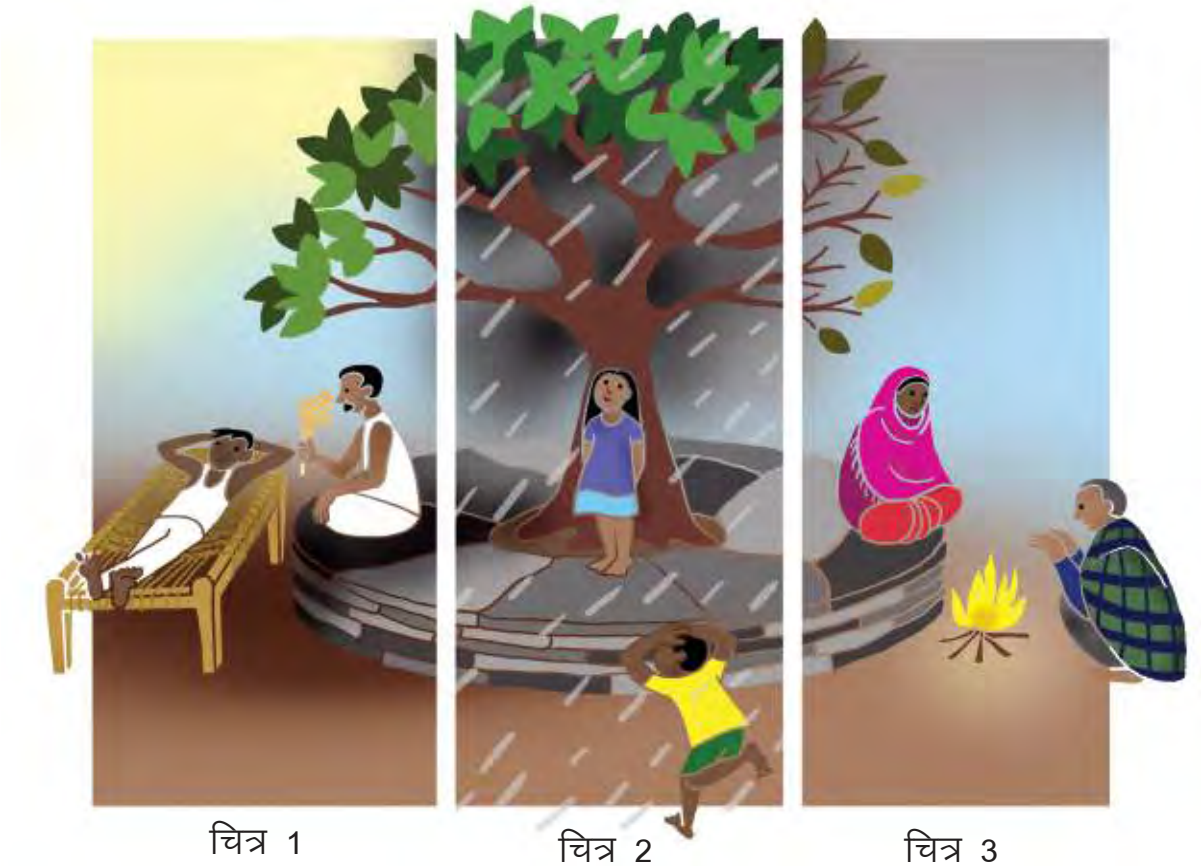

चित्र 1 चित्र 2 चित्र 3

चित्र 1 में क्या–क्या हो रहा है? यह चित्र किस मौसम का है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

चित्र 2 में क्या–क्या हो रहा हैं? यह चित्र किस मौसम से सम्बंधित है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

चित्र 3 में क्या हो रहा है? यह चित्र किस मौसम का है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

मौसम के अनुसार खाने–पीने की कुछ बातें

कुछ फल सर्दी में ही पैदा होते हैं, कुछ गर्मी में और कुछ बरसात में। इसी तरह सब्जियाँ भी मौसम के अनुसार उगाई जाती हैं। अतः मौसम के अनुसार बाजार में कुछ सब्जियों और फलों की अधिकता होती है।

चित्र में दिए गए इन फलों और सब्जियों को पहचानो और सोचो कि ये किन–किन मौसम में होते हैं? मौसम के अनुसार नीचे दी गई तालिका में इनके नाम लिखो। इनके अलावा जिन फलों और सब्जियों के बारे में तुम जानते हो, उनके नाम भी इस तालिका में भरो –

क्र.	गर्मी में	बरसात में	सर्दी में	हर मौसम में
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				

कुछ और बातें

रेहाना और नीता ने एक कविता बनाई जो इस प्रकार है–

वर्षा आती पानी लाती,
धरती हरी–भरी हो जाती।
खुश हो जाते सभी किसान,
खेतों में लहराता धान।
पकता धान दिवाली आती,
खूब सब्जियाँ ठंड खिलाती।
स्वेटर पहनें तापें आग,
गाँव–गाँव में होती फाग।
फिर आते गर्मी के दिन,
मिले चैन न पानी बिन।

इस कविता में बारिश, गर्मी और सर्दी के मौसम के बारे में क्या–क्या बातें बताई गई हैं। उन्हें अपने शब्दों में लिखो–

बरसात ——————————————————————————

सर्दी ——————————————————————————

गर्मी ——————————————————————————

अब तुम भी अपने साथियों के साथ मिलकर गर्मी, सर्दी व बारिश के बारे में अपनी मर्जी की कुछ बातें लिखो–

——————————————————————————————————

——————————————————————————————————

——————————————————————————————————

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. छाते का उपयोग तुम किस–किस मौसम में करते हो?
2. गर्मी के मौसम में तुम क्या–क्या खाना पसंद करोगे ?
3. गेहूँ की फसल किस मौसम में बोई जाती है?

लिखित

नीचे दी गई बातें किस–किस मौसम (सर्दी/गर्मी/बरसात) में होती है? खाली जगह में मौसम के नाम लिखो।

1. मेंढक टर्राना शुरू कर देते हैं ——————————————
2. पतले कपड़े पहनते हैं ——————————————
3. धान की बुवाई करते हैं ——————————————
4. जामुन खाते हैं ——————————————
5. सब जगह हरियाली हो जाती है ——————————————
6. स्वेटर पहनते हैं ——————————————
7. ठंडा शर्बत पीते हैं ——————————————
8. धूप सेंकते हैं ——————————————
9. आम खाते हैं ——————————————
10. रजाई ओढ़ते हैं ——————————————

खोजो आस–पास

1. पता करो और सर्दी, गर्मी और बारिश में आने वाले त्यौहारों का चार्ट बनाओ।
2. बरसात के मौसम में तुम भी अपने साथियों के साथ शाला के परिसर में, घर के आस–पास पौधे लगाओ और उनकी देखभाल करो।
3. रीता के घर पर खाने की चीजों को लम्बे समय तक सुरक्षित रखने के लिए सूखा कर, नमक डालकर, अचार बनाकर जैसे तरीकों का उपयोग किया जाता है।

   पता करो आपके आस–पास के लोग खाने–पीने की चीजों को लम्बे समय तक सुरक्षित रखने के लिए कौन–कौन से तरीके अपनाते हैं। इसकी चर्चा अपनी कक्षा में भी करो।

DSC8DJ

7

क्या किससे बना

तुम पढ़ते एवं खेलते समय कई वस्तुओं का उपयोग करते हो। नीचे दी गई सूची में इनके नाम लिखो –

पढ़ने के समय उपयोग में आने वाली वस्तुएँ	खेलने के समय उपयोग में आने वाली वस्तुएँ
1.	1.
2.	2.
3.	3.
4.	4.
5.	5.

क्या तुम्हें पता है कि ये सभी वस्तुएँ किन–किन चीजों से बनी हैं? जैसे पेन्सिल बनी है, लकड़ी और ग्रेफाईट की लीड से, किताब बनी है, कागज से। ऐसे ही बाकी चीज़ों के बारे में भी सोचो।

आपस में व शिक्षक से चर्चा करके नीचे दी गई तालिका भरो :

क्रमांक	वस्तु का नाम	जिन से बनी है।
1.	पेन्सिल	लकड़ी, ग्रेफाईट की लीड
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		
8.		

यह भी करो

नीचे दिए गए चित्रों को देखो और अगले पन्ने पर बनी तालिका में छॉटकर लिखो–

क्र.	लकड़ी से बनी चीजें	धातु से बनी चीजें	प्लास्टिक से बनी चीजें	कागज से बनी चीजें
1.				
2.				
3.				
4.				

रसोई का सामान

खाने–पीने की वस्तुएँ रखने तथा परोसने के लिए हम अलग–अलग प्रकार के बर्तनों का उपयोग करते हैं। उन बर्तनों के नाम नीचे दी गई सूची में लिखो।

तरल पदार्थ रखने के काम आने वाले बर्तन का नाम		खाना बनाने के काम आने वाले बर्तन का नाम	
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

यह सभी किस–किस से बने हैं? आस–पास की और वस्तुएँ ऐसी भी होती हैं जो एक से अधिक चीजों से बनी होती हैं।

आगे सूची में चीजों के नाम दिए गए हैं उन्हें बनाने में एक से अधिक चीजें लगी हैं। उनके नाम सूची में भरो –

नाम	किन–किन चीजों से बनी है		
1. बैलगाड़ी	————————	————————	————————
2. घर	————————	————————	————————
3. सड़क	————————	————————	————————

प्रकृति से

हम प्रतिदिन जिन वस्तुओं का उपयोग करते हैं उनमें से बहुत सी वस्तुएँ हमें सीधे प्रकृति से प्राप्त होती हैं। इनका हम ऐसे ही उपयोग कर लेते हैं। इनके अलावा ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो हमें प्रकृति से वैसे की वैसे नहीं मिलती। जैसे पेन्सिल, कुर्सी, कटोरी... आदि। नीचे दी गई सूची में प्रकृति से प्राप्त व हमारे द्वारा बनाई गई वस्तुओं के नाम लिखो–

प्रकृति से प्राप्त		मानव द्वारा निर्मित	
1.	मिट्टी	1.	पेन्सिल
2.	————————	2.	————————
3.	————————	3.	————————
4.	————————	4.	————————
5.	————————	5.	————————
6.	————————	6.	————————

हम खाने–पीने की वस्तुओं के अलावा प्रकृति से हवा, जल, मिट्टी, जीव–जन्तु, खनिज व ईंधन आदि प्राप्त करते हैं। इनको हम प्राकृतिक संसाधन कहते हैं।

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. यदि हवा, पानी, पेड़ पौधे न हों तो क्या होगा?
2. पहले कोयले का उपयोग रेलगाड़ी के इंजन को चलाने में होता था। अब आम तौर पर नहीं होता क्यों ?

लिखित

1. पेड़–पौधों से हमें क्या–क्या मिलता है?
2. कपड़ों में लगे धागे हमें किस–किस से प्राप्त होते हैं? अपने शिक्षक से पूछकर पता करो।
3. आने–जाने के लिये किन–किन साधनों का प्रयोग करते हैं?
4. जमीन के अंदर से, हमें क्या–क्या प्राप्त होता है?

नीचे कुछ प्राकृतिक संसाधनों के नाम दिए हैं, उनका हमारे दैनिक जीवन में क्या उपयोग है?

हवा

1. ——————————————
2. ——————————————

पानी

1. ——————————————
2. ——————————————

मिट्टी

1. ——————————————
2. ——————————————

जीव जन्तु

1. ——————————————
2. ——————————————

DSL4F7

खोजो आस–पास

अपने आस–पास प्रकृति से मिलने वाली चीजों का संग्रह करो और उनसे अपनी कक्षा को सजाओ।

8

बगिया

तुमने अपने घर के आस–पास, गाँव में या किसी बाग–बगीचे में कई तरह के पेड़–पौधों को देखा होगा। उन पेड़–पौधों के नाम लिखो। अगर नाम नहीं जानते हो तो किसी से पूछ भी सकते हो।

1. ____________________ 5. ____________________

2. ____________________ 6. ____________________

3. ____________________ 7. ____________________

4. ____________________ 8. ____________________

इस सूची में से इन्हें छाँटो –

1. दो पेड़ जो बहुत बड़े होते हैं ____________ ____________
2. दो पेड़ या पौधे जिनके फल खाते हैं ____________ ____________
3. दो पेड़ या पौधे जिनकी पत्तियाँ बड़ी होती हैं ____________ ____________
4. दो पेड़ या पौधे जिनमें काँटे लगे होते हैं ____________ ____________

सोचो और लिखो

पेड़–पौधे हमारे क्या–क्या काम आते हैं?

1. ———————————— 3. ————————————

2. ———————————— 4. ————————————

पेड़–पौधों से हमें शुद्ध हवा मिलती है। इनसे हमें पत्तियाँ, फल, फूल, औषधियाँ, लकड़ी, छाया एवं अन्य उपयोगी चीजें भी मिलती हैं। कई सारे जीव–जन्तु भी इन पेड़–पौधों की पत्तियों को खाते हैं। और कई सारे जीव–जन्तु तो पेड़–पौधों पर ही रहते हैं।

पांच ऐसे जंतुओं के नाम बताओ जो पेड़–पौधो की पत्तियाँ, फल, फूल खाते हैं।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

दो ऐसे जंतुओं के नाम बताओ जो पेड़–पौधों पर रहते हैं ?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

खोजें

किन्हीं तीन फूलों एवं किन्हीं तीन पत्तियों के नाम लिखो, जिनकी गंध तुम्हें अच्छी लगती है –

फूलों के नाम	पत्तियों के नाम

अपने आस–पास पाए जाने वाले पेड़–पौधों की छालों का अवलोकन करो और नीचे दी गई सारणी को भरो –

छाल का प्रकार	पेड़–पौधे के नाम
1. चिकनी छाल वाले पेड़ 2. खुरदुरी छाल वाले पेड़ 3. मोटी छाल वाले पेड़ 4. पतली छाल वाले पेड़ 5. भूरे छाल वाले पेड़ 6. काले रंग की छाल वाले पेड़	

पेड़–पौधे हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं और इनकी सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। अपने आसपास के पेड़ों के बारे में पता करो कि उनको किसने लगाया था। तुम्हारे गाँव या शहर में जो लोग पेड़–पौधे लगाते हैं, उनसे पूछो कि उनकी देख–भाल वे कैसे करते हैं? लिखो–

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

आओ हम सब पेड़ लगाएँ, पेड़ों को हम सभी बचाएँ।
पेड़ों को न कटने दे, हरियाली न हटने दें।

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. हम जिनकी पत्तियाँ खाते हैं ऐसे दो पौधों के नाम बताओ।
2. नीम के पेड़ के दो उपयोग बताओ।
3. फूल वाले दो पौधों के नाम बताओ।

लिखित

1. पेड़ों के कोई चार उपयोग लिखो।
2. जीव–जन्तुओं के लिए पेड़–पौधों का क्या उपयोग है?

खोजो आस–पास

1. अपनी शाला में सभी साथी मिलकर एक बगिया बनाओ और उसकी देखभाल करो।
2. एक पेड़ का चित्र बनाकर रंग भरो।

DT4VIH

DTDRK5

9

मिट्टी

यदि हम अपने आस–पास चारों ओर देखें तो हमें मिट्टी ही मिट्टी दिखाई देती है। पेड़–पौधे और फसलें आदि मिट्टी में ही उगाई जाती हैं। मिट्टी से अलग–अलग प्रकार के बर्तन भी बनाये जाते हैं। चलो, अब हम मिट्टी के बारे में कुछ और पता करें।

बताओ –

1. मटका किससे बनता है?
2. ईंट किससे बनती है?
3. कच्चे मकान किन चीजों से बनते हैं?

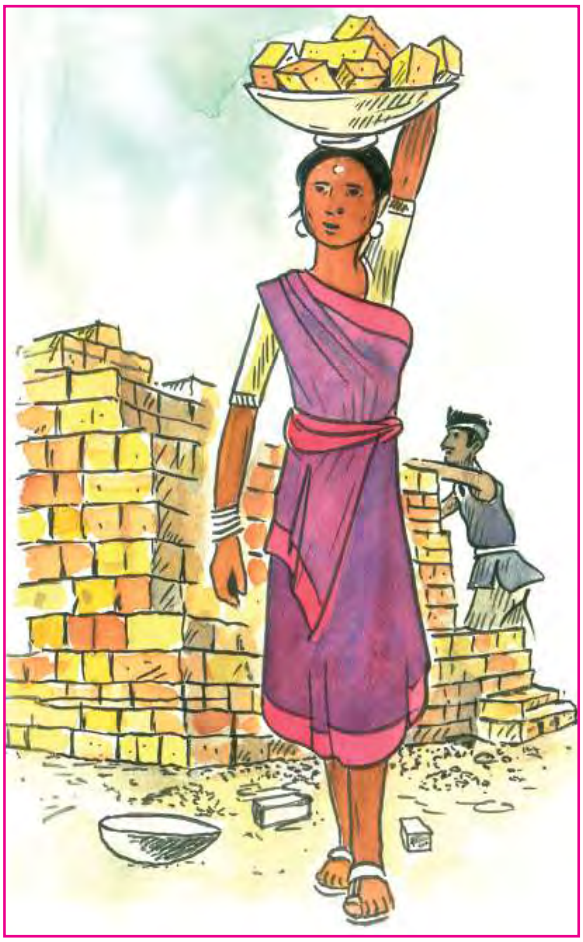

ये सब कैसे बनते हैं आओ देखें

क्या सारी मिट्टियाँ एक जैसी होती हैं?

इस बात का पता करने के लिए तुम सब मिलकर एक काम करो –

अलग–अलग टोली बनाकर अपने शिक्षक के साथ किसी तालाब, खेत, बगीचे, मैदान, नदी और सड़क की ओर जाओ। जाने से पहले हर टोली वाले दो–तीन कपड़े, जूट या अखबार की बनी थैलियाँ अपने साथ जरूर ले जाएँ। अलग–अलग जगह से मिट्टी के नमूनों को इकट्ठा करो। वापस कक्षा में लौटकर मिट्टी के इन नमूनों को देखकर मिट्टी के रंग व उसके दूसरे गुणों को पहचानकर उन्हें नीचे दी गई तालिका में भरो।

स्थान का नाम	छूकर देखने पर			मिट्टी का रंग
	खुरदरी	चिकनी	रेतीली	
खेत / बगीचा				
मैदान				
तालाब				
नदी				
सड़क				

आओ कुछ प्रयोग करके देखें–

कांच का एक गिलास लो। उसमें आधे से अधिक पानी भर दो। अब गिलास में इकट्ठी की गई मिट्टी डालो और घोलकर रख दो। कुछ समय (लगभग 20 मिनट) बाद उसे **देखो और बताओ –**

1. गिलास में मिट्टी की कितनी परतें दिखाई दे रही हैं?
2. सबसे नीचे की परत में मिट्टी के कणों का आकार कैसा है?
3. पानी का रंग कैसा हो गया है?

इन बातों से यह पता चलता है कि मिट्टी कई परतों से मिलकर बनी है।
मिट्टी में कई जीव–जन्तु रहते हैं। क्या तुम्हें मिट्टी में रहने वाले जीव–जन्तुओं के नाम मालूम हैं? उनके नाम लिखो।

1. ——————————————
2. ——————————————
3. ——————————————
4. ——————————————

आओ करके देखें

1. एक कागज पर थोड़ी सूखी बारीक मिट्टी लो ओर उसे धीरे से फूँक मार कर देखो – क्या हुआ? ——————————————————————
2. थोड़ी मिट्टी नीचे रखकर उस पर एक गिलास पानी डालो।
   क्या हुआ ? ——————————————————————

तेज हवा मिट्टी की ऊपरी परत को उड़ा देती है। तेज पानी का बहाव भी मिट्टी की ऊपरी परत को बहाकर ले जाता है। पेड़–पौधे लगाकर मिट्टी को बहने व उड़ने से बचाया जा सकता है।

हम कुछ त्यौहारों के अवसर पर मिट्टी से बने कुछ सामान का उपयोग करते हैं। इन सामानों के नाम नीचे दी गई तालिका में लिखो :–

क्र.	त्यौहारों के नाम	मिट्टी के बने सामान
1.	दीपावली	
2.	पोला	
3.	अक्ति/अक्षय तृतीया	
4.	नवरात्रि	

अब तुम तीन–चार टोलियों में बंटकर गीली मिट्टी के कुछ खिलौने बनाओ और नीचे दी गई तालिका में उनके नाम लिखो –

क्र.	खिलौनों के नाम	क्र.	खिलौनों के नाम
1.		5.	
2.		6.	
3.		7.	
4.		8.	

मिट्टी को बनने में बहुत वर्ष लगते हैं।
अतः हमें उसका बचाव करना चाहिए।

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. कुम्हार मिट्टी से कौन–कौन से बर्तन बनाता है?
2. मिट्टी में कौन–कौन से जन्तु अपना घर बनाते हैं?
3. पोला त्यौहार में मिट्टी के कौन–कौन से खिलौने बाजार में मिलते हैं?

लिखित

1. मिट्टी के क्या–क्या उपयोग हैं? लिखो।
2. दीपावली के त्यौहार पर मिट्टी से बनी कौन–कौन सी चीजों का उपयोग करते हैं? दो चीजों के नाम बताओ।
3. सही जोड़े बनाओ –

मिट्टी के घड़े	लाल मिट्टी
मुरूम	मिट्टी
दीपावली	कुम्हार
केंचुआ	मिट्टी के दीये

खोजो आस–पास

1. मिट्टी के दो खिलौने बनाकर उन्हें रंगों से सजाओ।
2. तुम्हारे घर में मिट्टी से बने कौन–कौन से सामान हैं? उनके नाम लिखो।

10

हवा

आँखों से मैं दिखाई न देती,
मन मर्जी से चलती रहती।
सर–सर की आवाज़ मैं करती,
फर–फर सी मैं बहती रहती।
किसी की पकड़ में कभी न आती,
गीले कपड़े तुरन्त मैं सुखाती।
मैं न रहूँ तो कोई जीव न रहे
कौन सबसे पहले मेरा नाम कहे?

अपने आस–पास की हिलती हुई चीजों को देखकर हमें हवा का आभास होता है। ऐसी कोई तीन बातें लिखो, जिससे हवा का पता चलता है।

1. ——————————————————————————————

2. ——————————————————————————————

3. ——————————————————————————————

आओ कुछ प्रयोग करें

एक खाली गिलास लें। गिलास के अंदर एक कागज को गुड़ीमुड़ी करके इस प्रकार लगाएँ कि गिलास को उल्टा करने पर भी कागज नीचे न गिरे।

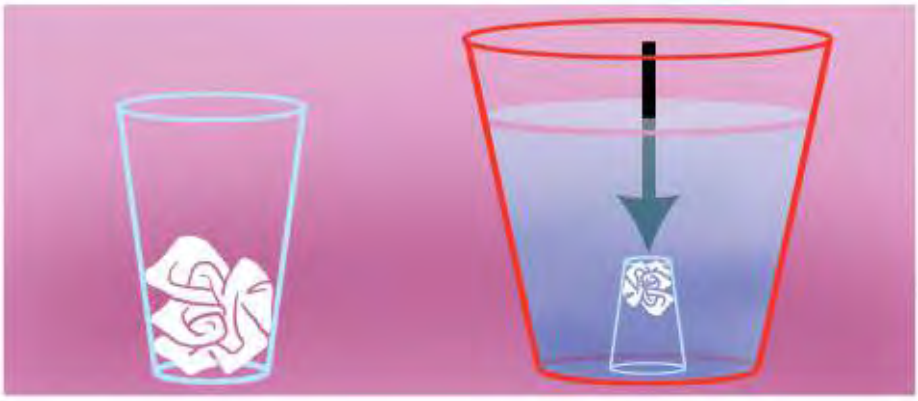

अब इस गिलास को उल्टा कर, पानी से भरी बाल्टी में पूरी तली में जाने तक डुबाएँ। पुनः गिलास को उसी स्थिति में बाहर निकाल कर अंदर रखे कागज छूकर देखें। कागज भीग गया या सूखा है?

आओ इस बात को एक और दूसरे प्रयोग से समझें।

पानी से भरी एक बाल्टी में खाली गिलास को उल्टा डुबाओ। इस बात का ध्यान रखना कि गिलास सीधा न हो जाए। अब पानी के अन्दर गिलास को धीरे–धीरे सीधा करो। क्या हुआ?

1. गिलास से क्या निकलते दिखाई दे रहे हैं ?

2. खाली गिलास से किसके बुलबुले निकल रहे थे?

हवा सभी जगहों पर रहती है। जो चीजें हमें खाली दिखाई देती हैं, सही मायनों में वे खाली नहीं हैं। उनमें भी हवा होती है।

पहला गिलास दूसरा गिलास तीसरा गिलास

उक्त तीनों गिलासों के अवलोकन के आधार पर नीचे दी गई तालिका को भरो।

क्र.	गिलास	कैसा है
1.	पहला गिलास	
2.	दूसरा गिलास	
3.	तीसरा गिलास	

कुछ वस्तुओं जैसे मिट्टी, चॉक आदि के अन्दर भी हवा होती है। आओ इसका पता लगाएँ–

पानी से भरे गिलास में चाक के एक टुकड़े को डालो। चाक से क्या निकलता दिखाई दे रहा है ?

जब पानी में चाक डाला जाता है तो चाक के अन्दर की हवा बुलबुले के रूप में बाहर निकलती है। अब इस प्रयोग को तुम मिट्टी के ढेले एवं ईंट से दोहराओ।

चित्रों को देखकर बताओ हवा क्या काम आ रही है?

1. ____________________ 2. ____________________

3. ____________________

4. ____________________

इसके अलावा हवा के कोई और उपयोग सोचकर लिखो–

1. ____________________
2. ____________________
3. ____________________
4. ____________________
5. ____________________
6. ____________________
7. ____________________
8. ____________________
9. ____________________
10. ____________________

कागज़ की फिरकी

1. फिरकी बनाने के लिए एक चौकोर कागज़ लो। आमने–सामने के दोनों कोनों को मिलाकर मोड़ो और निशान बनाओ। अब कागज़ खोल लो।

2. प्रत्येक कोने से कागज़ के बीच के बिन्दु से लगभग दो अंगुल पहले तक एक काट लगाओ।

3. काट लगाने के बाद कुल आठ कोने बन जाएँगे। एक कोना छोड़ते हुए कागज़ के एक कोने को पकड़ो और कागज़ के बीचों बीच टिकाओ।

4. इन कोनों को कागज के बीचों–बीच टिकाए रखने के लिए, इनके ऊपर एवं नीचे मोटे कागज़ का टुकड़ा लगाकर बीचों–बीच आलपिन घुसा दो।

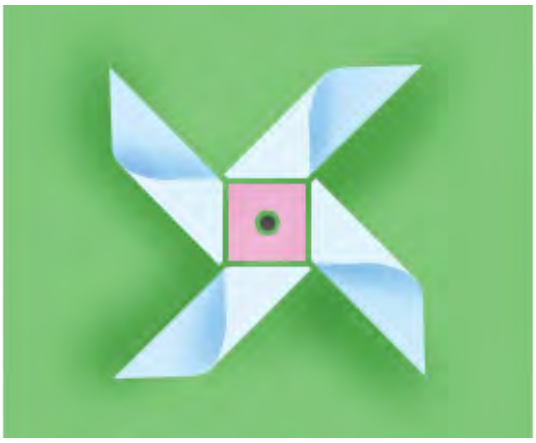

5. आलपिन के नुकीले सिरे को सरकण्डे के सिरे में घुसाकर फिरकी को हवा के विपरीत दिशा में पकड़ो। देखो क्या फिरकी घूमने लगी?

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. साँस में हम क्या लेते हैं?
2. हमें हवा का पता कैसे चलता है?
3. गुब्बारे में क्या भरी जाती है ?

लिखित

1. यदि हवा न हो तो क्या होगा ?
2. यह कैसे जानोगे कि खाली बर्तन में हवा है?
3. खाली स्थानों को नीचे दिए गए शब्दों से भरो : –

देख, सीटी, हवा

1. मनुष्य सांस में ———————— लेते हैं।
2. ———————— बजाने में हवा का उपयोग होता है।
3. हवा को हम नहीं ———————— सकते।

DU6EQ3

खोजो आस–पास

उन खिलौनों या वस्तुओं की सूची बनाओ जो हवा की सहायता से बजते या चलते हैं।

11

पानी

ऊपर दिए गए चित्र को देखो और बताओ कि–

पानी में कौन–कौन से जीव–जन्तु दिखाई दे रहे हैं?

1. ____________________ 4. ____________________
2. ____________________ 5. ____________________
3. ____________________ 6. ____________________

कौन–कौन से जीव–जन्तु पानी के बाहर दिखाई दे रहे हैं?

1. ____________________ 3. ____________________
2. ____________________ 4. ____________________

क्या ये सभी पानी के बिना जीवित रह सकते हैं?

____

कुछ जीव–जन्तु पानी के अन्दर रहते हैं और कुछ बाहर। सभी जीव–जन्तु एवं पेड़–पौधों के लिए पानी जरूरी है।

तुम्हारे घर में पानी कहाँ से आता है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

पानी का उपयोग पीने के अलावा और कई कामों के लिए होता है। उनकी सूची बनाओ और कहां से पानी मिलता है उनके भी नाम लिखो ।

	कामों के नाम	पानी कहाँ से मिलता है
1.	————————	————————
2.	————————	————————
3.	————————	————————
4.	————————	————————
5.	————————	————————

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. मनुष्य के अलावा पानी किस–किस के उपयोग में आता है?
2. यदि हमें पानी न मिले तो क्या होगा?
3. रसोई घर में पानी का क्या–क्या उपयोग है?

लिखित

1. पानी के कोई दो उपयोग लिखो।
2. अपने गांव/शहर के पानी के स्त्रोतों के नाम लिखो।
3. पीने के पानी का बर्तन कैसा होना चाहिए ?

खाली स्थान भरो :

1. पीने का पानी हमेशा ———————— रखना चाहिये। (ढककर, खुला)
2. ———————— पीने के पानी का स्रोत है। (तालाब, नल)
3. किसान खेतों की सिंचाई ———————— से करता है। (ट्यूब वेल, हैंडपंप)

खोजो आस–पास

1. समूह बनाकर पानी के उपयोग से संबंधित कामों जैसे कुएं, तालाब अथवा नल से पानी भरना, कपड़े धोना और नहाना आदि का मूक अभिनय करो।
2. पता करो कि तुम्हारे यहाँ पानी के स्रोतों के आसपास किस–किस प्रकार की गंदगी है? इसे दूर करने के लिए क्या उपाय करेंगे?
3. पानी का खर्च कम करने के लिए हम क्या–क्या कर सकते हैं?

DUP6TD

12

चलो सूरज, धरती और चांद देखें

DUY2V1

दोपहर में सूरज हमारे सिर के ऊपर दिखता है। वह सुबह हमें आकाश में नीचे की ओर दिखता है। इसी तरह शाम को भी वह दूसरी ओर नीचे की तरफ दिखाई देता है।

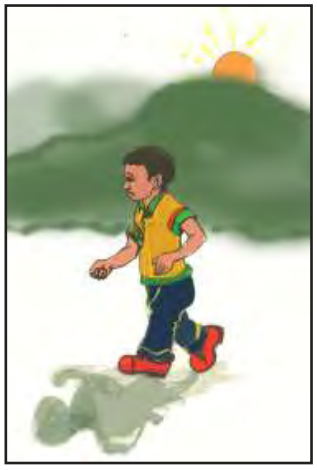

कुछ दिन तक सुबह, दोपहर और शाम को सूरज को देखो। पता करो कि सुबह–सुबह सूरज तुम्हारे घर के किस ओर होता है? क्या वह तुम्हारे घर के पीछे होता है? क्या वह तुम्हारे घर के सामने होता है? क्या घर के दायीं ओर होता है? अथवा घर के बायीं ओर होता है? सात दिन तक इस बात को देखकर नीचे दी गई तालिका को भरो।

सुबह का समय

दिन	घर के सामने	घर के पीछे	घर के दाईं ओर	घर के बाईं ओर

क्या तुमको हर दिन सुबह सूरज तुम्हारे घर के एक ही तरफ दिखा? या वह कभी तुम्हारे घर के दायीं ओर व कभी बायीं ओर दिखा?

———————————————————————————————————

ऐसे ही शाम के समय तुम्हारे घर के किस ओर सूरज दिखा? इसे नीचे दी गई तालिका में भरो –

शाम का समय

दिन	घर के सामने	घर के पीछे	घर के दायीं ओर	घर के बायीं ओर
पहला				
दूसरा				
तीसरा				
चौथा				
पाँचवा				
छठवाँ				
सातवाँ				

हर शाम को क्या सूरज तुम्हारे घर के एक ही तरफ दिखा? या वह कभी दायीं ओर व कभी बायीं ओर दिखा?

हम हर दिन सूरज को पूर्व दिशा की ओर से निकलता हुआ और पश्चिम दिशा की तरफ छिपता हुआ देखते हैं। हमें ऐसा लगता है कि मानो सूरज पूरब से चला हो और शाम तक पश्चिम में पहुँच कर डूब गया हो।

अक्सर सब कहते हैं ''सूरज से ही जीवन है'' क्या तुम बता सकते हो ऐसा क्यों कहते हैं? पता करो, आपस में चर्चा करो और लिखो कि सूरज हमारे जीवन के लिए कैसे जरूरी है?

हमारे आस–पास जो पेड़–पौधे हैं, जानवर हैं, पक्षी हैं और भी जो कुछ है, वे सूरज के बिना जिंदा नहीं रह सकते। इसीलिए हम सबके जीवन में सूर्य का बहुत महत्व है।

सूरज से हमें क्या–क्या मिलता है?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

चाँद की बातें

रात को आकाश में चन्द्रमा चमकता है। सभी को इसकी चमक व सुन्दरता अच्छी लगती है। पूरा चन्द्रमा मन को बहुत भाता है। बच्चों की कविताओं और लोरियों में यह खूब आता है। तुमने चन्द्रमा को कई बार देखा होगा। क्या इसका आकार हमेशा तुम्हें एक जैसा दिखता है?

——————————————

——————————————

——————————————

यह भी करो

सात दिन तक रात के समय आकाश में चन्द्रमा को देखो जिस दिन चन्द्रमा का तुम्हें जैसा आकार नजर आए वैसा ही आकार नीचे दी गई तालिका में बनाओ।

दिनों की संख्या	चन्द्रमा का आकार
पहला	
दूसरा	
तीसरा	
चौथा	
पाँचवा	
छठवाँ	
सातवाँ	

चन्द्रमा के इन बदलते आकारों पर शिक्षक से चर्चा करो।

सूरज, चन्द्रमा व पृथ्वी (धरती) का आकार

असल में तो सूरज चन्द्रमा से बहुत ही बड़ा है। जैसे सूरज फुटबाल है तो चन्द्रमा सरसों का एक दाना। दूसरी बात यह है कि ये दोनों लगभग गेंद की ही तरह गोल हैं। जब हम इन्हें आकाश में देखते हैं तो हम इनका केवल सामने वाला हिस्सा ही देख पाते हैं।

क्या तुमने कभी सोचा है कि हमारी पृथ्वी की आकृति कैसी है? क्या वह एक बड़ा सा मैदान है, जिस पर सब कुछ है?

हमें ऐसा लगता है कि पृथ्वी जैसे एक बहुत ही बड़ा मैदान है, ऐसा मैदान जिसका कोई छोर नहीं है। इसी पर नदियां हैं, तालाब हैं, पहाड़ हैं और समुद्र। पर क्या यह सही है? अगर यह एक बड़ा मैदान है, तो फिर इसका किनारा भी अवश्य होगा। जहाँ यह मैदान

खत्म होगा, वहाँ पर पृथ्वी का सिरा होगा। बहुत पहले लोग यही मानते थे। क्या तुम भी ऐसा मानते हो? पृथ्वी के किनारे के बारे में कई कहानियाँ भी हैं। फिर धीरे–धीरे यह समझ में आया कि पृथ्वी भी गोल है। यह कैसे पता चला, यह एक अलग कहानी है। अब तो हमारे पास अंतरिक्ष से खींचे गए चित्र भी हैं, जो दिखाते हैं कि पृथ्वी गोल है।

पृथ्वी गोल है और बहुत बड़ी है। इसलिए हम पृथ्वी की गोलाई को पृथ्वी पर रहकर नहीं देख पाते। कुछ बातें पृथ्वी के गोल होने के बारे में कही जा सकती हैं वे हैं – पृथ्वी पर अगर कोई एक जगह से बिना रूके सीधा नाक की सीध में चलता रहे तो शुरू में जहां से चला था वापस वहीं पर पहुँच जाएगा। यह इतना आसान नहीं है। सीधा चलने में न जाने कहां समुद्र हो, पहाड़ हो या खाई हो। पर अगर कोई कर सके तो ऐसा ही होगा।

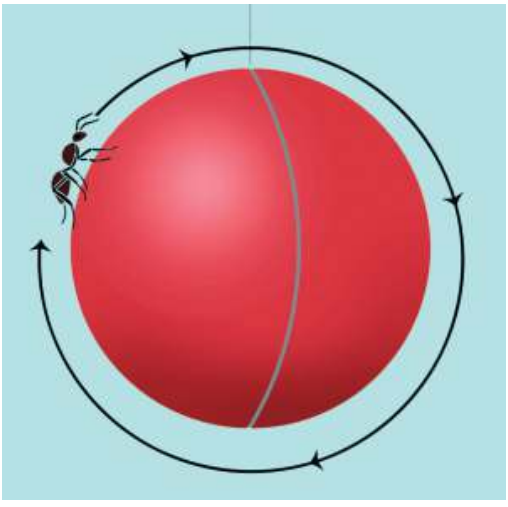

उदाहरण के लिए जैसे एक चींटी को एक लटकी हुई गेंद पर छोड़ा जाय और वह अगर एक सीध में चलती रहे तो वह उसी जगह पहुंचेगी जहाँ से उसने चलना शुरू किया था। संभव हो तो कक्षा में यह करके देखो।

हमने क्या सीखा

मौखिक

1. सूर्य डूबने के समय उसका आकार और रंग कैसा दिखाई देता है?
2. किस दिन चन्द्रमा पूरा दिखाई देता है?

लिखित

1. सूरज हमें छोटा क्यों दिखाई देता है?
2. पृथ्वी की आकृति कैसी है?

रिक्त स्थान भरो

1. सूरज से हमें ———————— और ———————— मिलती है।
2. हमें ———————— का आकार हमेशा एक जैसा नहीं दिखाई देता है।
3. पृथ्वी ———————— से छोटी है लेकिन वह ———————— से बड़ी है।
4. सूर्य हमें ———————— दिशा में उगता हुआ और ———————— दिशा में डूबता हुआ दिखाई देता है।

खोजो आस–पास

अपनी कॉपी में नदी, पहाड़ और उगता हुआ सूरज का चित्र बनाओ और उसमें रंग भरो।

DV7XHN

13

घर कैसे कैसे?

DVGTYB

जब हम किसी गाँव या शहर में जाते हैं तो हमें अलग–अलग तरह के घर दिखाई देते हैं। कुछ घर छोटे होते हैं तो कुछ बड़े। कुछ बहुत ऊँचे होते हैं तो कुछ कम ऊँचे। कुछ पक्के बने होते हैं तो कुछ कच्चे। तुम्हारे गाँव या शहर में भी कई तरह के घर होंगे? पता करो कि तुम्हारे गाँव में कैसे–कैसे घर हैं?

1. ———————————— 2. ————————————

3. ———————————— 4. ————————————

क्या कभी तुमने सोचा है कि यदि घर नहीं होता तो हमें क्या परेशानियाँ होती? लिखो ।

1. ————————————————————————————————

2. ————————————————————————————————

3. ————————————————————————————————

4 ————————————————————————————————

5 ————————————————————————————————

अब अपने घर के बारे में बताओ –

1. तुम्हारे घर में कितने कमरे हैं?

————————————————————————————————

2. दीवारें किससे बनी हैं?

———————————————————————————————

3. छत किससे बनी है?

———————————————————————————————

4. घर की दीवारों का रंग कैसा है?

———————————————————————————————

अपने घर से अलग तरह का एक घर ढूँढ़कर उसके बारे में लिखो कि उसमें कितने कमरे हैं ? उसकी दीवारें किसकी बनी है? छत किसकी बनी है, फर्श किसका बना है ?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

पता करो और लिखो

अपने घर में दादा–दादी या उनके उम्र के किसी बड़े व्यक्ति से पता करो कि जब वे छोटे थे तब –

वे कहाँ रहते थे?

उनका घर किन–किन चीजों से बना था?

उनके घर में खाना कहाँ बनता था?

क्या उनके घर में टायलेट था?

हमने क्या सीखा

मौखिक

1. पक्का घर बनाने में काम आने वाली चार चीजों के नाम बताओ?
2. कच्चे घरों में छत किसकी बनी होती है?

लिखित

1. मुख्य रूप से घर कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखो।
2. घर हमें किन कठिनाइयों से बचाता है?
3. कई तरह के घरों के चित्र इकठ्ठे करो या उनके चित्र बनाओ। चित्रों से एक सुन्दर चार्ट बनाओ। चित्र देखकर मिलान करो कि किस तरह के घर हैं और किसके बने हैं ?

खोजो आस–पास

अपने घर के बुजुर्गों से पता करो जब वे बच्चे थे तब किस तरह के घरों में रहते थे और वे किसके बने होते थे?

अलग–अलग जीव–जंतुओं/पशु–पक्षियों के घरों को क्या कहते हैं तथा ये कैसे होते है जानकारी इकट्ठी करो।

DVQPZY

DVZL2L

14

कपड़े तरह–तरह के

दीपावली के त्यौहार पर राजू के घर से दर्जी की दुकान पर कपड़े सिलने के लिए दिए गए। छोटेलाल दर्जी के यहाँ तरह–तरह के कपड़ों को सिलवाने की होड़ लगी थी– बच्चों के कपड़े, बड़ों के कपड़े, दादाजी के कपड़े। छोटेलाल दर्जी को बिल्कुल भी फुर्सत नहीं थी। उसकी दुकान में तरह–तरह से तैयार किए गए कपड़े टंगे हुए थे।

तुम्हारे परिवार के सभी लोगों ने अपने लिए किस तरह के कपड़े सिलवाए होंगे।

तुम्हारे भाई ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारी बहन ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारी माँ ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारे पिता जी ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारे दादा जी ने	1. ————————	2. ————————
तुम्हारी दादी जी ने	1. ————————	2. ————————

कपड़े हमें ठंड, गर्मी, बरसात तथा धूल से बचाते हैं। ये हमारे शरीर को ढकते भी हैं और सुंदर भी दिखाते हैं।

क्या तुम बता सकते हो कि इस तरह के (सूती) कपड़े कब पहनते हैं?

———————————————————

सूती कपड़े हमारे शरीर को ठंडा रखते हैं और हमारे पसीने को सोख लेते हैं।

अब बताओ कि ऊन से बने कपड़े हम क्यों पहनते हैं?

———————————————————

बरसाती और छाते का उपयोग हम क्यों करते हैं?

———————————————————

विशेष अवसरों पर हम रंग–बिरंगे कपड़े पहनते हैं।

हम जिन कपड़ों का उपयोग करते हैं वे कपास, रेशम और ऊन आदि से बनते हैं। ऊन हमें भेड़ों से मिलता है तथा रेशम हमें रेशम के कीड़ों से मिलता है। कपड़ों को हमेशा सुरक्षित जगह पर रखना चाहिए, नहीं तो चूहे या कीड़े उन्हें खराब कर देते हैं।

हमने क्या सीखा

मौखिक

1 शाला में तुम कैसी पौशाक पहन कर आते हो?

2. घर में तुम अपने कपड़े कहाँ रखते हो?

लिखित

1. डिब्बे में 'हाँ' या 'नहीं' लिखो।

1. गर्मियों में हम सूती कपड़े पहनते हैं।
2. सूती कपड़े हमारे शरीर को गरम रखते हैं।
3. बारिश के मौसम में हम छाते का उपयोग करते हैं।
4. विभिन्न मौसम में लोग विभिन्न प्रकार के कपड़े पहनते हैं।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो – (भेड़, रंगों, कपड़े)

1. धूप, ठंड और बरसात से बचने के लिए हम ———————— पहनते हैं।
2. ऊनी कपड़ों के लिए ऊन हमें ———————— से प्राप्त होता है।
3. कपड़ों को आकर्षक बनाने के लिए हम ———————— का उपयोग करते हैं।

3. अलग–अलग प्रकार के कपड़ों के नाम लिखो।
4. अपने घर में कपड़े से बनी चीजों के नाम लिखो।

DW9H49

खोजो आस–पास

1. कपड़े को रंगने के लिए क्या करते हैं? पता करो।
2. अलग–अलग वेशभूषा पहने व्यक्तियों के चित्रों को एकत्र कर अपनी कॉपी में चिपकाओ।
3. कागज को काटकर पायजामा, बनियान, स्कर्ट व कमीज (शर्ट) की आकृतियाँ बनाओ। इस कार्य में बड़ों की मदद लो।
4. अपने घर के बुजुर्गों (दादा–दादी आदि) से पूछकर पता करें कि वे बच्चे थे तब किस–किस तरह के कपड़े – पोशाक पहनते थे?

15

सफाई

E345K5

जंगल में आज बहुत चहल–पहल थी। जंगल के सभी जानवरों की सभा रखी गई थी। बरगद के नीचे हाथी, शेर, भेड़िया, लोमड़ी, सियार, भालू, बन्दर, हिरण, खरगोश, अजगर आदि सभी आ चुके थे। सबकी सहमति से हाथी को सभापति चुना गया। सभा शुरू हुई, सबने अपनी परेशानियाँ बताईं और मिलकर उनका हल ढूँढ़ा।

बारी खरगोश की थी वह बोला – ''मेरा तो जीना कठिन हो गया है। भालू अपने घर का कचरा मेरे बिल के पास फेंक देता है। यहाँ–वहाँ तो सभी थूकते रहते हैं। बंदर भी केला खाकर छिलका रास्ते में फेंक देता है। तालाब का पानी भी गंदा हो रहा है। मैं तो यह जंगल छोड़कर चला जाऊँगा।''

हाथी ने भालू की ओर देखा। डर कर भालू बोला – ''सभी जानवर ऐसा ही करते हैं तो, मैंने क्या गलती की? हाथी बोला– ''हाँ गलती तो हम सभी ने की है।'' तभी अचानक तेज आँधी चलने लगी और बारिश शुरू हो गई। सभा अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई।

अगले दिन की सभा में जानवरों के बीच क्या चर्चा हुई होगी? अपने दोस्तों के साथ चर्चा करो।

पाठ में दी गई कहानी को पढ़कर बताओ कि अपने आसपास की सफाई के लिए हमें किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

1. ____
2. ____
3. ____

नीचे दिए वाक्यों पर सही (√) या गलत (**x**) का निशान लगाओ।

1. बेकार चीजों को कूड़ादान में फेंकना चाहिए। ( )
2. कई लोग खुले स्थानों पर थूकते हैं, यह सही है। ( )
3. हमें खाँसते हुए रूमाल का प्रयोग करना चाहिए। ( )
4. अपनी वस्तुओं को उचित स्थानों पर रखना चाहिए। ( )

हम अपने आस–पास को साफ–सुथरा कैसे रख सकते हैं? कक्षा में चर्चा करके लिखो।

____

____

____

____

____

____

____

____

आस–पास गंदगी होने से हमें क्या–क्या परेशानियाँ हो सकती है? लिखो।

1. ____
2. ____
3. ____

साफ–सुथरा घर और आस–पास सभी को अच्छा लगता है। स्वच्छ और स्वस्थ रहने के लिए हमें कुछ अच्छी आदतों का पालन करना चाहिए। गाँव या मोहल्ले की सफाई के लिए तुम्हारे आस–पास के लोग क्या करते हैं? सामने दिए गए कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखो।

1. तुम्हारे गाँव या मोहल्ले में कूड़ादान है? ( )
2. लोग कचरा कूड़ेदान में डालते हैं? ( )
3. गड्ढों में कचरा डालकर उसे मिट्टी से भरते हैं? ( )
4. सभी निर्धारित स्थानों पर शौच करते हैं? ( )
5. निर्धारित जगह पर थूकते हैं? ( )
6. जल के स्रोतों के आस–पास नियमित सफाई होती है? ( )
7. पालतू पशुओं के रहने के स्थान घर से अलग व साफ–सुथरे हैं? ( )
8. आस–पास को साफ रखने के लिये मिल–जुल कर प्रयास करते हैं? ( )

आस–पास की सफाई के लिये हम अकेले जिम्मेदार नहीं हैं। हमें मिल–जुल कर ही अपने परिवेश को साफ–सुथरा रखना होगा। जिससे हमें स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण मिल सके।

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. घर को साफ सुथरा न रखने पर क्या–क्या नुकसान होगा?
2. कूड़ा–कचरा खुले में फेंकने से क्या परेशानी होगी?

लिखित

सही (✔) का चिन्ह लगाकर बताओ।

1. तुम्हारे घर में कैसा कूड़ादान होना चाहिए?

   (अ) बिना ढक्कन वाला (ब) ढक्कन वाला

2. गंदे पानी की निकासी कैसी नालियों में होनी चाहिए?

   (अ) खुली नाली (ब) ढकी नाली

3. हमें कहाँ थूकना चाहिए?

   (अ) दीवारों पर (ब) थूकदान में

मिलान करो

1	मक्खी–मच्छर	1	कचरा
2	शुद्ध हवा	3	साफ परिवेश
3	सफाई कर्मचारी	3	बीमारी
4	स्वस्थ शरीर	4	पेड़–पौधे

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो

1. हमें कुएँ के पास कपड़े और बर्तन क्यों नहीं धोने चाहिए?
2. आस–पास गंदगी होने से हमें क्या परेशानियाँ होंगी ?
3. नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर शब्द पूरे करो।

(अ) घर के बाहर न फेंके। [क] [च] [रा]

(ब) गंदे पानी में होते हैं। [ ] [च्छ] [ ]

(स) कूड़ा मुझमें डालें। [कू] [ ] [ ] [ ]

(द) गंदी जगह पर बैठती है। [ ] [ ]

खोजो आस–पास

घर की अनुपयोगी वस्तुओं से कूड़ादान बनाओ और उसे उचित स्थान पर रखकर उसका उपयोग करो।

E3D1LS

16

जरूरी बातें

E3LWNF

शनिवार को बाल सभा के लिए घन्टी बजते ही सभी बच्चे कतारों में बैठ गए। आज सभा में एक नया चेहरा भी था। सभी बच्चे जानना चाहते थे कि नये चेहरे वाला व्यक्ति कौन है? गुरुजी ने सभा में सबसे उनको मिलवाया। उनका नाम डॉ. आनन्द था। डॉ. साहब ने बच्चों को साफ रहने के फायदे बताए।

उन्होंने बताया कि अगर दाँत अच्छी तरह से साफ न किए जाएँ तो वे पीले पड़ने लगते हैं। मुंह से बदबू आती है। कई बार उनमें खून भी आने लगता है।

डॉ. साहब ने कहा – "सबको अपने बढ़े हुए नाखूनों को भी काटना चाहिए। बड़े नाखूनों में काला–काला मैल जम जाता है। कई बार जल्दबाजी या आलस में बच्चे शौच जाने के बाद और खाना खाने से पहले हाथ नहीं धोते हैं। इससे गन्दगी खाने के साथ हमारे पेट में जाकर नुकसान कर सकती है।"

सोहन ने पूछा – डॉ. साहब मुझे बाँह और पैर में खुजली क्यों होती है?

डॉ. साहब ने कहा – हम दिन भर अलग–अलग जगह जाते हैं। कभी मिट्टी में खेलते हैं कभी पानी में। खेलने के बाद अपने हाथ–पैरों को ठीक से नहीं धोने पर खुजली हो सकती है। इसलिए अच्छा तो यही होगा कि हम साफ पानी से नहा लें।

किशन को अपने कान में ऊँगली डालते हुए देखकर डॉ. साहब ने कहा – नहीं बेटा, कान और नाक में ऊँगली नहीं डालनी चाहिए। हमारे नाखून से कान या नाक के अन्दर चोट लग सकती है। अगर तुम्हें कान साफ करना है, तो मुलायम कपड़े से साफ करो और नाक साफ करते समय पानी का उपयोग करो।

डॉक्टर आनन्द ने कौन–कौनसी जरूरी बातें बताई? सूची बनाओ।

1. ——————————————————————————————
2. ——————————————————————————————
3. ——————————————————————————————
4. ——————————————————————————————
5. ——————————————————————————————
6. ——————————————————————————————
7. ——————————————————————————————

तुमने इनमें से किन–किन बातों का पालन किया ? एक हफ्ते तक रोज इस तालिका को भरो। जो किया उसके आगे सही (√) का निशान और नहीं किया उसके आगे गलत (X) का निशान लगाओ।

जरूरी बातें	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार	रविवार
दाँत साफ किए							
शौच जाने के बाद हाथ धोए							
खाना खाने से पहले हाथ धोए							
खेलने के बाद हाथ पैर धोए							
नाक को साफ किया							
प्रति सप्ताह नाखून काटना							

हमने क्या सीखा ?

मौखिक –

1. हमें अपना शरीर साफ क्यों रखना चाहिये ?
2. नाक व कान को कैसे साफ करना चाहिये ?

लिखित –

1. हमें खाना खाने के पहले हाथ क्यों धोना चाहिये ?
2. डॉ. आनंद द्वारा बताई गई बातों के अलावा हमें किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिये।

खोजो आस–पास

1. डॉ. आनंद द्वारा बताई गई बातों का कक्षा के साथी पालन करते हैं अथवा नहीं, इसकी जांच करो।

E3VSQ3

E45NRQ

17

हमारा भोजन

रेलगाड़ी,रेलगाड़ी,
छुक–छुक चलती रेल गाड़ी।
इंजन खींचें, चलती गाड़ी,
डीजल, बिजली से चलती गाड़ी।

ऊपर दी गई कविता को पढ़ो और बताओ कि –

1. रेलगाड़ी कौन खींचता है? ——————————————————
2. इंजन किससे चलता है? ——————————————————

रेलगाड़ी को चलाने के लिए डीजल, बिजली की जरूरत होती है। कुछ उसी तरह हमारे शरीर को चलाने के लिये भोजन की जरूरत होती है।

हम रोज़ाना भोजन में अलग–अलग तरह की चीजें खाते हैं।

तुम्हारे घर पर भोजन में कौन–कौन सी चीजें खाई जाती हैं? नीचे लिखो –

1. ——————————
2. ——————————
3. ——————————
4. ——————————
5. ——————————
6. ——————————
7. ——————————
8. ——————————
9. ——————————
10. ——————————

हम जो भोजन करते हैं उसमें अनाज, दाल, सब्जी, फल, दूध व दूध से बनी चीजें होती है। इनके अलावा अंडा, मांस और मछली आदि से बनी चीजें भी खाते हैं।

नीचे दी गई तालिका को भरो

भोज्य पदार्थ	नाम
1. अनाज	
2. दाल	
3. फल	
4. अन्य	

नीचे खाली थाली का चित्र दिया गया है। इस थाली में अपनी पसंद के खाने की चीजों के चित्र बनाओ।

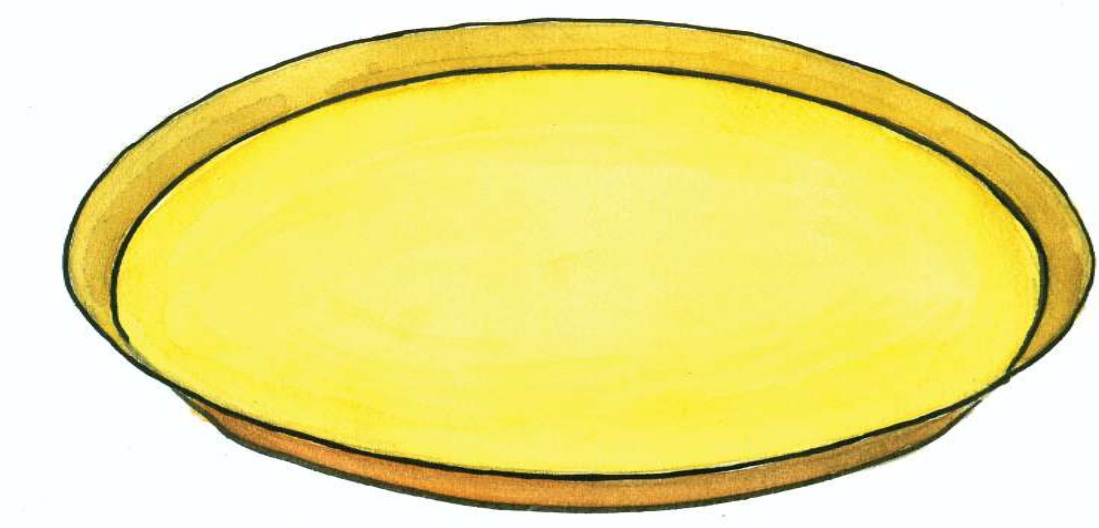

भोजन में तुम्हारी पसंद की चीजों के नाम लिखो –

1. ——————————————————

2. ——————————————————

3. ——————————————————

4. ——————————————————

5. ————————————————————

6. ————————————————————

7. ————————————————————

हम खाने की कुछ चीजों को पकाकर खाते हैं और कुछ चीजों को कच्चा खाते हैं। नीचे दी गई तालिका में उनके नाम लिखो –

क्र.सं.	कच्चा खाते हैं	पका कर खाते हैं	दोनों तरह से खाते हैं
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			

तुम जानते हो कि खाए जाने वाली चीजों के स्वाद अलग–अलग होते हैं। नीचे दी गई तालिका में स्वाद के अनुसार उन चीजों के नाम लिखो।

स्वाद	भोज्य पदार्थ के नाम				
1. मीठा					
2. खट्टा					
3. तीखा					
4. कड़वा					
5. नमकीन					

अपने गाँव या शहर में अलग–अलग त्यौहारों पर बनाए जाने वाले पकवानों के नाम नीचे दी गई सूची में भरो –

त्यौहारों के नाम	बनाये जाने वाले पकवानों के नाम
1. दीपावली	
2. होली	
3. तीजा पोला	
4. हरेली	
5. ईद	
6. बड़ा दिन (क्रिसमस)	

हम खाने की चीजों को पकाने के लिए पानी का उपयोग करते हैं। पानी भी हमारे भोजन का मुख्य अंग है।

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. भोजन से हमें क्या मिलता है?
2. शरीर को रोगों से बचाने के लिये क्या–क्या खाना चाहिए?
3. होली के त्यौहार में आपके घर पर कौन–कौन से पकवान बनाए जाते हैं?

लिखित

1. इनमें से अनाज छाँटो –

   बाजरा, मूँग, गोभी, आलू, गेहूँ, अरहर, भिंडी, चावल
2. अपनी पसंद के चार पकवानों के नाम लिखो।
3. कच्ची और पकाकर खाए जाने वाली दो–दो चीजों के नाम लिखो।

E4EJTD

खोजो आस–पास

1. अपने गाँव/शहर के पाँच परिवारों से पूछकर पता करो कि दीपावली एवं होली के त्यौहार पर उनके घर में कौन–कौन से पकवान बनते हैं?
2. तुम्हारे आस–पास कौन–कौन सी सब्जियाँ, अनाज और फल उगाए जाते हैं ?

E4NFV1

18

हमारे त्यौहार

तुम कौन–कौन से त्यौहारों के नाम जानते हो?

———————————————————————————————

तुम्हें कौन सा त्यौहार सबसे अच्छा लगता है? और क्यों?

———————————————————————————————

अपनी पसंद के किसी त्यौहार के दृश्य का चित्र बनाकर रंग भरो।

अपनी पसंद के त्यौहार के बारे में कुछ बातें बताओ :–

1. तुम्हारी पसंद के त्यौहार का नाम

———————————————————

2. इसे कब मनाया जाता है?

———————————————————

3. इसे क्यों मनाया जाता है?

———————————————————

4. इस दिन क्या–क्या पकवान बनाए जाते हैं?

———————————————————

5. तुम्हें इस त्यौहार में क्या–क्या करना अच्छा लगता है?

———————————————————

———————————————————

इसके अलावा तुम्हारे आस–पास और कौन–कौन से त्यौहार धूमधाम से मनाए जाते हैं? नाम लिखो।

1. ———————	2. ———————
3. ———————	4 ———————
5. ———————	6. ———————
7. ———————	8. ———————
9. ———————	10. ———————

हर त्यौहार मनाने के पीछे कोई न कोई कारण अवश्य होता है। सभी त्यौहारों को मनाने का तरीका भी अलग–अलग होता है। चाहे कोई भी त्यौहार हो, होली हो, दीपावली या ईद और बड़ा दिन सभी आपस में मिल–जुल कर रहना सिखाते हैं।

अपने शिक्षक या घर के बड़ों से पता कर दी गई तालिका भरो –

त्यौहार	कब मनाते हैं?	क्यों मनाते हैं?	कौनसी मिठाई बनती है?
दीपावाली			
होली			
ईद			
क्रिसमस(बड़ा दिन)			
रक्षाबंधन			
गणेश उत्सव			

कुछ त्यौहारों पर मेले भी लगते हैं। लोग रंग–बिरंगे कपड़े पहनकर मेला देखने जाते हैं। मेले में तरह–तरह की खाने–पीने की चीजें मिलती हैं, तरह–तरह के झूले होते हैं, जिस पर बैठकर सभी बहुत मजे करते हैं। क्या तुम्हारे आस–पास कोई मेला लगता है? मेले के बारे में पता करो और तालिका में भरो।

क्र.	मेले का नाम	कब लगता है?	कहाँ लगता है?
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			

ये तो हुई हमारे घर और गाँव में मनाए जाने वाले त्यौहारों की बातें। कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जो हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं जैसे – 15 अगस्त। इस दिन हमारा देश आजाद हुआ था। सारा देश मिलकर इस दिन को त्यौहार की तरह मनाता है। इस बार तुम्हारे विद्यालय में 15 अगस्त मनाने के लिए जो कार्यक्रम आयोजित किए गये उस पर सही (√) का निशान लगाओ –

(i) तिरंगा झण्डा फहराया गया। ( )
(ii) जन–गण–मन (राष्ट्रीय गान) गाया गया। ( )
(iii) प्रभात फेरी निकाली गई। ( )
(iv) बच्चों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। ( )
(v) मिठाई बाँटी गई। ( )
(vi) भारत माता की जय के नारे लगाए गए। ( )

क्या ये सभी काम तुम्हारे विद्यालय में किसी और दिन भी होते हैं? अपने शिक्षक से पूछकर लिखो।

.....

.....

कुछ महापुरुषों के जन्म दिन भी देशभर में मनाए जाते हैं। गाँधीजी के जन्म दिन को पूरे देश में मनाया जाता है। नेहरूजी के जन्म दिन 14 नवम्बर को बाल दिवस के रूप में मनाते हैं।

अपने शिक्षक से चर्चा करके इस तालिका को भरो :–

जयंती का नाम	महापुरूष का नाम	कब मनाते हैं
गाँधी जयंती		
शिक्षक दिवस		
गुरू घासीदास जयंती		

हमने क्या सीखा

मौखिक

1. त्यौहार हमें क्या सिखाते हैं ?

2. तुम रंगों का त्यौहार कैसे मनाते हो? बताओ।

लिखित

1. मिलान करो –

रक्षाबंधन

ईद

15 अगस्त

होली

दीवाली

क्रिसमस

2. तुम्हारे आस–पास लगने वाले किसी मेले के बारे में लिखो कि: **(अ.)** मेला कब लगता है, **(ब.)** क्यों लगता है, **(स.)** मेले में कौन–कौन आते हैं, **(द.)** तुम मेले में किसके साथ जाते हो और क्या–क्या करते हो?
3. राखी का त्यौहार कब और कैसे मनाया जाता है?
4. तुम्हारे विद्यालय में 26 जनवरी कैसे मनाई जाती है पाँच वाक्य लिखो।

खोजो आस–पास

1. दीपावली का त्यौहार मनाने के पीछे क्या कारण है? अपने माता–पिता व अन्य लोगों से पूछ कर पता लगाओ और कक्षा में सुनाओ।
2. अपनी कॉपी में राखी, पिचकारी और दीपक के चित्र बनाओ।

19

शाला के त्यौहार

E4ZCVR

आज 14 नवंबर है, सारा देश बाल दिवस मना रहा है। आज पुनिया की शाला में बहुत चहल–पहल है। शाला में अच्छी सजावट की गई है। कल शाम को ही रंगीन कागजों की तोरण लगा दी गई। आज मंच पर एक जगह नेहरू जी की तस्वीर रखी गई। कार्यक्रम के लिए बच्चे तरह–तरह की तैयारी कर रहे हैं। कोई कविता की तो कोई गीत की। पुनिया और उसके साथियों ने भी एक नाटक तैयार किया है। नाटक में भाग लेने वाले सभी बच्चे मुखौटा पहनकर तैयार हैं। आज के कार्यक्रम में गाँव के सरपंच मुख्य अतिथि के रूप में आने वाले हैं। सभी बच्चे कार्यक्रम शुरु होने का इन्तजार कर रहे हैं।

मुख्य अतिथि के आते ही सभी बच्चों ने उनका स्वागत किया। सरपंच साहब ने चाचा नेहरू के चित्र को माला पहनाई और कार्यक्रम शुरू हुआ। कविता, गीत और भाषण के बाद अब नाटक की बारी आई। नाटक का नाम था 'हमें बचाओ'। मंच पर पेड़–पौधे लगाकर जंगल बनाया गया था। पुनिया शेर का मुखौटा पहनकर एक बड़े आसन पर बैठी थी। कुन्ती ने चिड़िया का सोनिया ने मोर का और छोटू ने बंदर का मुखौटा पहन रखा था। बंशी कछुआ बना था। मुनिया ने हिरनी का मुखौटा पहना था। गोलू हाथी बना सूँड हिला रहा था। चपलू ने खरगोश का मुखौटा पहन रखा था।

(पर्दा खुलता है)

बंदर और मोर (एक साथ) – शेर दादा, शेर दादा, हम बड़ी आफत में हैं, हमारी रक्षा करो।

शेर दादा –क्या बात है, तुम लोग इतने घबराए हुए क्यों हो?

इस बार कछुआ बोला – शहर से कुछ लोग आए हैं जो जंगल में गड़बड़ी फैला रहे हैं।

हाथी – वे लोग दिन में तो इधर–उधर घूमते हैं और रात को पेड़ काटते हैं।

चिड़िया – इससे हमारे घोंसले टूट जाते हैं और अण्डे गिरकर फूट जाते हैं।

हिरनी – मैं भी कल तालाब पर गई थी। वहाँ मछलियाँ भी बहुत दुःखी हैं। कोई आदमी जाल डालकर उसमें बहुत सी मछलियाँ फँसाकर ले जाता है।

खरगोश – डरो नहीं! मैंने उन लोगों से कहा है कि जब हम उनका नुकसान नहीं करते हैं तो वे हमें क्यों परेशान कर रहे हैं?

सभी जानवर एक साथ – (खड़े होकर) महाराज, हमें बचाओ, जंगल उजड़ गया तो हम कहाँ जाएंगे।

(पर्दा गिरता है।)

सभी लोगों ने ताली बजाई। मुख्य अतिथि ने चाचा नेहरू के जीवन की बातें बताईं। अन्त में सभी बच्चों को मिठाई बाँटी गई।

पुनिया की शाला में तो बाल दिवस इतनी धूमधाम और तैयारी से मनाया गया। तुम्हारे विद्यालय में कौन–कौन से त्यौहार मनाए जाते हैं? लिखो –

1. ------------------ 4. ------------------

2. ------------------ 5. ------------------

3. ------------------ 6. ------------------

हमने क्या सीखा

मौखिक

1. पुनिया की शाला में 14 नवम्बर को मुख्य अतिथि कौन थे?
2. बाल दिवस कब मनाया जाता है?

3. बच्चों ने कार्यक्रम के लिए क्या–क्या तैयारियाँ की?

4. नाटक का क्या नाम था?

5. खरगोश ने शहर से आये लोगों को क्या समझाया?

6. शहर से आए लोगों ने जंगल को क्या नुकसान पहुँचाया?

लिखित

1. छत्तीसगढ़ का स्थापना दिवस कब मनाते हैं?

2. तुम्हारी शाला में पिछले साल कौन–कौन से कार्यक्रम हुए? लिखो।

3. नाटक में कौन क्या बना था? नीचे तालिका में भरो –

छात्र/छात्रा का नाम	पात्र का नाम	छात्र/छात्रा का नाम	पात्र का नाम

खोजो आस–पास

1. अपनी कक्षा को सजाने के लिए तुम क्या–क्या करोगे?
2. गाँव के सरपंच व अन्य लोग तुम्हारी शाला में कब–कब आते हैं?
3. कोई कहानी चुन कर अपने साथियों के साथ उस पर कोई नाटक खेलो।
4. बच्चों से सम्बन्धित नेहरू जी के संस्मरणों को इकट्ठा करो और कक्षा में सुनाओ।

E577YB

E598XE

20

हमारे काम–धंधे

कपड़े सिलते तन ढँकने को, वे दर्जी कहलाते।
लड्डू–पेड़ा खूब बनाते, वे हलवाई कहलाते।
सुन्दर–सुन्दर गहने गढ़ते, वे सुनार कहलाते।

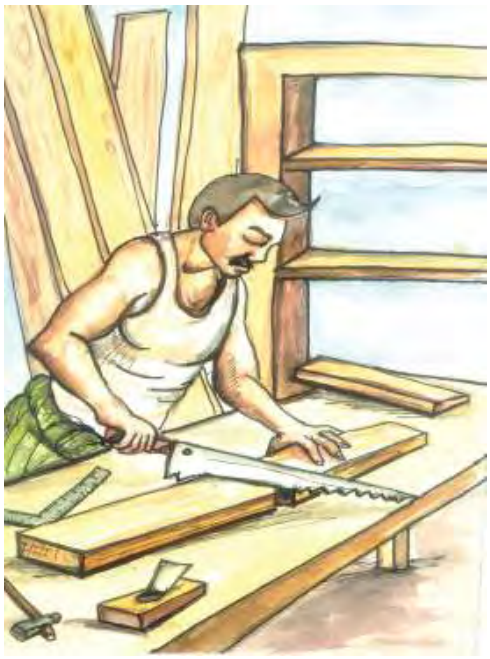

गीली मिट्टी लेकर आते, जो हैं चाक चलाते,
घड़े, खिलौने आदि बनाते, वे कुम्हार कहलाते।
लकड़ी की जो वस्तु आदि बनाते, बढ़ई वे कहलाते,
लोहे से औजार बनाते, वे लुहार कहलाते।

Åij fy[kh dfork dk i<k vkj uhp nh xbZ rkfydk dk Hkjk&

क्र.	काम–धंधे	कौन करता है?	क्या–क्या औज़ार उपयोग में लाता है?
1.	कपड़े की सिलाई	————————	————————————————
2.	लोहे का कार्य	————————	————————————————
3.	मिट्टी के कार्य	————————	————————————————
4.	लकड़ी का कार्य	————————	————————————————
5.	गहने बनाने का कार्य	————————	————————————————

,d eykdkr dEgkj ls

कुम्हार के घर जाकर पता करो कि वह बर्तन आदि बनाने के लिए क्या–क्या करता है। नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर खोजो।

dEgkj feêh ls dku&dku lh pht+s cukrk g\ mudk uke fy[kkA

———————— ———————— ——————

&&&&&&&&&& &&&&&&&&&& &&&&&&&&

bu pht+k dk cukus ds fy, dEgkj dk dSlh feêh pkfg,\ dEgkj ;g feêh dgk ls ykrk g\ irk djkA

——————————————————————————————————

——————————————————————————————————

feêh ds crlu cukus ds fy, dEgkj fdu lkËkuk dk mi;kx djrk g\

;fn rEgs ekdk fey rk dEgkj ds ;gk feêh ds nhid vkfn cukus dk i;kl djkA

uhps dEgkj }kjk feêh ds crlu cukus dh ifØ;k nh xbl gA budk 1]2]3------- uEcj ndj lgh Øe es fy[kk &

गढ़े बर्तनों को सुखाना

मिट्टी खोदकर लाना

पके बर्तनों में रंग लगाना

सूखे बर्तनों को आग में पकाना

बर्तनों को बाजार में ले जाना

मिट्टी तैयार करना

चाक से बर्तन आदि गढ़ना

dEgkj feêh l crlu vkfn x<u d ckn mUg vkx e D;k idkr g\

---

feêh d ?kM ,o ihry d crlu e j[k ikuh e l fdldk ikuh BMk gkxk\ vkj D;k\ viu f'k{kd l ppk djkA

---

pyk c<b d ?kj

viu nkLrk d lkFk c<b d ?kj tkvk vkj mld }kjk mi;kx fd, tku oky vkt kjk dk voykdu djk vkj fp= cukvkA

vc crkvk&

c<b ydMh dkVu d fy, fdu vkt kjk dk mi;kx djrk g\

---

ydMh phju d fy, c<b fdu vkt kjk dk mi;kx djrk g\

---

ydMh dk fpduk dju d fy, c<b fdu vkt kjk dk mi;kx djrk g\

---

nk ydfM;k dk tkMu d fy, c<b D;k rjdhc viukrk g\

---

ydMh e Nn dju d fy, c<b D;k djrk g\

---

fdl l D;k curk g\

अपने यहाँ के बढ़ई से पूछो कि कौन–सी सामग्री किस लकड़ी से बनाई जा सकती है? उसका नाम तालिका में भरो।

क्र.	सामग्री का नाम	लकड़ी का नाम
1.	हल	————————————
2.	दरवाजा / चौखट	————————————
3.	कुर्सी / टेबल	————————————
4.	पलंग	————————————
5.	————————	————————————

जिस तरह से तुमने बढ़ई के यहाँ जाकर पता किया वैसे ही लुहार, दर्जी, हलवाई के यहाँ जाओ और उनके औज़ारों एवं उनके द्वारा बनाई जाने वाली चीज़ों का अवलोकन करो।

तुम्हारे आस–पास इस तरह और भी काम–धंधे करने वाले लोग होंगे। वे कौन–कौन से कार्य करते हैं? वे किन औज़ारों का उपयोग करते हैं? तालिका में भरो।

क्र.	नाम	किए जाने वाले कार्य	औज़ार
1.	धोबी	कपड़ा धोने का कार्य	————————————
2.	नाई	————————	————————————
3.	————————	कपड़ा बुनने का कार्य	————————————
4.	————————	————————	————————————
5.	————————	————————	————————————
6.	————————	————————	————————————

इस प्रकार समाज में रहने वाले व्यक्ति कई प्रकार के व्यवसाय करते हैं जिनसे समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। इस प्रकार समाज में रहने वाले सभी व्यक्ति किसी न किसी रूप

में एक दूसरे पर निर्भर हैं। छोटे–से–छोटे कार्य करने वालों का उतना ही महत्त्व है जितना बड़ा कार्य करने वालों का।

geu D;k lh[kk

ekSf[kd

1. कपड़ों की सिलाई कौन करता है?
2. घड़ा बनाने वाले को क्या कहते हैं?
3. टेबल–कुर्सी कौन बनाता है?

fyf[kr

1. कुछ प्रमुख काम–धंधों के नाम लिखो।
2. लोहे का सामान बनाने के लिए उसे भट्टी में क्यों गर्म करना पड़ता है?
3. नीचे दिए गए समूहों में एक नाम मेल नहीं खाता, उसे ढूँढकर अलग करो और अलग करने का आधार भी बताओ।

	नाम	आधार
अ.	हल, खुरपी, सुई, फावड़ा	.....
ब.	उस्तरा, कैंची, आरी, कँघी	.....
स.	हथौड़ी, घन, धुम्मस, पेचकस	.....
द.	कुदाली, आरी, कुल्हाड़ी, हँसिया	.....

खोजो आस–पास

1. अपने यहाँ के बुजुर्गों से पता करो कि काम–धंधे करने वालों की जिंदगी में अब क्या फर्क आया है?
2. अब कई चीज़ें प्लास्टिक से बनने लगी हैं, इससे किन–किन लोगों के काम–धंधों पर असर पड़ा है?

E5G3ZY

21

जरा संभल के

E5I4Z2

प्रायः खेलते समय या कुछ काम करते समय जरा सी असावधानी से चोट लग जाती है। इस तरह से चोट लगने की घटनाएँ शाला या घर कहीं भी हो सकती हैं। तुम्हें भी कभी ना कभी चोट जरूर लगी होगी। जब तुम्हें चोट लगी थी, उसके बारे में बताओ–

1. चोट कब लगी?

   _____

2. कहाँ लगी?

   _____

3. कैसे लगी?

   _____

4. चोट लगने पर क्या किया?

   _____

नीचे दिये गये चित्रों को देखकर उत्तर दो–

चित्र 1

चित्र 2

1. तुम किसकी तरह पैंसिल छीलना पसन्द करोगे?

   _____

2. क्यों?

   _____

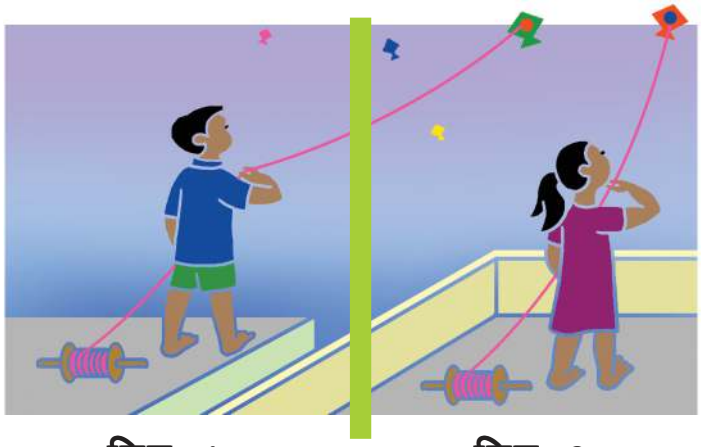

चित्र–1 चित्र–2

1. तुम किसकी तरह पतंग उड़ाना पसन्द करोगे?

———————————————————————————————

2. क्यों?

———————————————————————————————

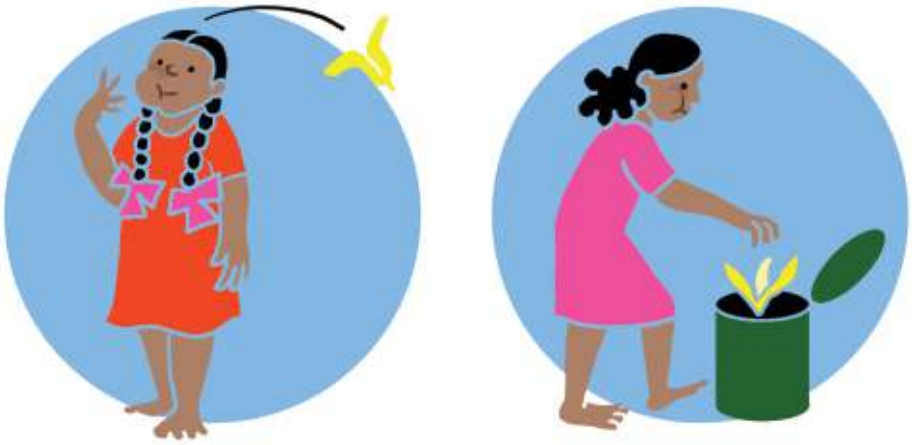

चित्र–1 चित्र–2

1. तुम केला खाकर छिलके को किसकी तरह फेंकना पसन्द करोगे?

———————————————————————————————

2. क्यों?

———————————————————————————————

थोड़े से आलस, जल्दबाजी और असावधानी से या कई बार दूसरे की गलती से भी हमें चोट लग सकती है।

क्या तुम्हारी शाला में कभी ये दुर्घटनाएँ हुई हैं? यदि हाँ तो सही (✔) और नहीं तो गलत (**X**) का निशान लगाओ।

1. चॉक या डस्टर के फेंकने से किसी को चोट लगी। ( )
2. खेल के मैदान में दौड़ते समय किसी को चोट लगी। ( )
3. सीढ़ियों पर ऊपर या नीचे की ओर दौड़ने पर किसी को चोट लगी। ( )
4. कांच टूटने के कारण किसी को चोट लगी। ( )
5. साइकिल से गिरने पर चोट लगी। ( )

दुर्घटनाएँ अचानक होती हैं। इनके कारण शरीर में जहाँ चोट लगती है, वहाँ बहुत तेज दर्द होता है। कई बार तो उस जगह से खून भी निकल आता है। हमें अपना काम करते समय और खेलते समय लापरवाही नहीं करनी चाहिए।

सड़क पर चलते समय लापरवाही करने और सुरक्षा के नियमों का पालन न करने पर गम्भीर दुर्घटनाएँ हो सकती हैं।

सड़क पर चलते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है जैसे–

1. हमेशा फुटपाथ पर चलना चाहिए।
2. सड़क पार करने से पहले एक बार दाँए फिर बाँए देखना चाहिए।
3. जब कोई वाहन नहीं आ रहा हो तब सड़क पार करनी चाहिए।

यदि तुम्हें शहर के चौराहों पर लगी यातायात की बत्ती मिले तो तुम उसके संकेत कैसे पहचानोगे? गुरुजी से पूछकर लिखो।

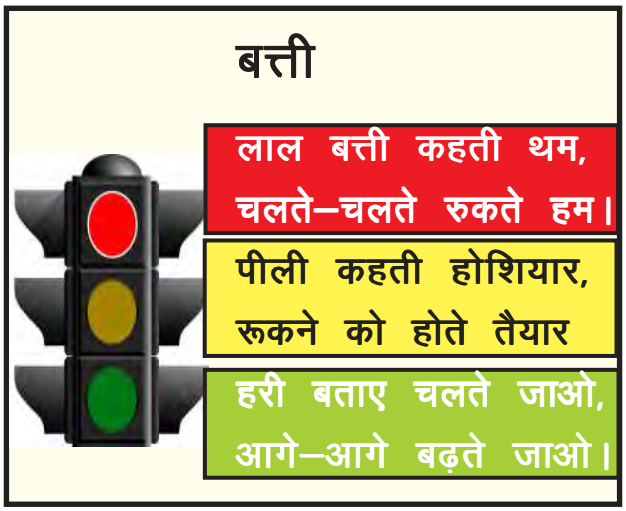

यातायात की बत्ती– संकेत

कविता को पढ़कर नीचे लिखे संकेतों के बारे में लिखो।

लाल बत्ती ——————————————

पीली बत्ती ——————————————

हरी बत्ती ——————————————

सड़क पर कुछ संकेत चिन्ह लगे रहते हैं। ये हमें यातायात सम्बंधी सूचनाएँ देते हैं, ताकि हम दुर्घटनाओं से बच सकें। गुरुजी या बड़ों की सहायता से इन संकेतों के अर्थ समझो।

E5PZ2L

हमने क्या सीखा

नजर हटी दुर्घटना घटी (जल्दबाजी और असावधानी के कारण दुर्घटना घट सकती है।)

मौखिक

1. दुर्घटनाएँ कब–कब हो सकती हैं?
2. केले के छिलके को सड़क पर फेंकने से क्या हो सकता है?

लिखित

1. रिक्त स्थान की पूर्ति करो –

(i) लाल बत्ती हमें —————————— का संकेत देती है।
(रूकने / चलने)

(ii) —————————— हमें दुर्घटना से बचाती है।
(लापरवाही / सावधानी)

2. सड़क पर चलते समय हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
3. सड़क पर यातायात के संकेत क्यों लगे होते हैं?

खोजो आस–पास

यातायात के संकेतों के चित्र बनाकर अपनी कक्षा में लगाओ।

●●●

22

संकेतों की दुनिया

आपस में बात करने के लिए हम अक्सर शब्दों का उपयोग करते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि हम बिना बोले ही किसी को बुला लेते हैं या फिर उसको कुछ और बता पाते हैं। कुछ उदाहरण सोचो जहाँ तुम बिना बोले ही कुछ बात अपने साथी तक पहुँचाते हो।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

यह तुम किस–किस तरीके से करते हो?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

यदि तुम्हें बिना बोले ही नीचे दिए गए कार्यों को करना हो तो तुम उन्हें कैसे करोगेः–

(क) मेहमान का अभिवादन

———————————————————————————————

(ख) दोस्त को अपने पास बुलाना

———————————————————————————————

(ग) पानी का गिलास माँगना

———————————————————————————————

(घ) मानीटर के रूप में सबको चुप होने को कहना

———————————————————————————————

(च) खेलने के लिए साथी को बुलाना

———————————————————————————————

(छ) गाना अच्छा था यह बताने के लिए

———————————————————————————————

हाव–भाव और संकेत हमारी बात दूसरों तक पहुंचाते हैं। मानव ने बोलना शुरू करने से पहले हाव–भाव से एक–दूसरे तक विचार पहुँचाना शुरू किया ।

फिर उन्होंने जमीन पर चिन्ह बनाकर संकेतों से अपनी बात दूसरों को बताना शुरू किया। यदि वे शिकार के लिए गए हैं तो इसके लिए एक चिन्ह और कितने लोग गए हैं के लिए दूसरा चिन्ह। संकेत के लिए चिन्ह ऐसे होते थे–

चिन्ह 1
शिकार पर जाने के लिए

चिन्ह 2
6 लोगों के जाने के लिए

गणित के संकेत

कुछ संकेत हम गणित में भी उपयोग करते हैं।

तालिका में दिए गए चिन्ह क्या दिखाते हैं? और इनका क्या उपयोग है? लिखो।

क्र.	चिन्ह	क्या दिखाता है ?	उपयोग
1.	+		
2.	-		
3.	X		
4.	÷		
5.	>		
6.	<		

तुमने लाल रंग का यह चिन्ह देखा होगा।

यह चिन्ह चिकित्सा सेवा से जुड़ी रेडक्रास संस्था का है।
तुम्हारे आस–पास और कौन–कौन से चिन्ह दिखते हैं? उन सब की सूची बनाओ व उनके उपयोग का पता करो।

सोचकर बताओ –

1. संकेतों का हमारे लिए क्या महत्व है?
2. कक्षा में बच्चे कौन–कौन से संकेतो का उपयोग करते हैं?
3. एक ऐसी परिस्थिति बताओ जहाँ हम इशारों से ही बात कर सकते हैं।

इसी तरह तुम निम्न संकेतों के लिये चिन्ह बनाओ –

संकेत	चिन्ह
घर का	
पेड़ का	
सूरज का	
तारों का	
नदी का	

अपने लिए कुछ और संकेत बनाओ। ऐसे संकेत जिनसे कुछ संदेश दूसरों तक पहुंच सके। नीचे इसके कुछ उदाहरण दिए गए हैं।

क्र.	संकेत	संदेश
1.	एक बार ताली बजाना	आ जाओ
2.	दो बार ताली बजाना	दो कदम पीछे चले जाओ
3.	एक चुटकी बजाना	अपनी जगह पर गोल घूम जाओ
4.	हाथ ऊपर करना	
5.		
6.		

खोजो आस–पास

1. इनके लिए संकेतों को पता करो –

   बाँया मोड़, गति अवरोध, पुलिया, रेलवे लाईन, हार्न न बजाएं, आगे अस्पताल है।

E5YV49

23

आओ नक्शा बनायें

E61W3C

तुम जिस गाँव या शहर में रहते हो, तुम्हारे साथ–साथ वहाँ और लोग भी रहते होंगे। कुछ लोगों का घर तो तुम्हारी गली में या तुम्हारे घर के पास होगा। कुछ लोग उसी गाँव या शहर में तो रहते होंगे पर उनका घर तुम्हारे घर से दूर होगा।

नीचे चित्र बनाओ कि तुम्हारे घर के सीधे हाथ, उलटे हाथ की तरफ किस–किस का घर है। डिब्बा ☐ बनाकर उनका नाम लिखो–

तुम्हारा घर

एक दिन प्रशान्त के पिताजी ने उसे चिट्ठी डालने डाकघर भेजा। दिए गए नज़री नक्शे (चित्र) को देखकर बताओ प्रशान्त को अपने घर से डाकघर जाने के रास्ते में क्या–क्या मिलेगा?

प्रशान्त को रास्ते में जो भी मिला वह लिखो –

_____

_____

_____

_____

———————————————————————————————————————

———————————————————————————————————————

जब तुम अपने घर से शाला जाते हो तो तुम्हें भी रास्ते में पेड़, कुआँ, मन्दिर आदि मिलते होंगे। अपने घर से शाला पहुँचने तक के रास्ते का नज़री नक्शा बनाओ। चाहो तो अपने संकेत खुद बना सकते हो।

संकेत क्या बताएँ ? तुम्हारे द्वारा बनाए गए नजरी नक्शे के संकेतों को बनाओं और उनके नाम लिखो।

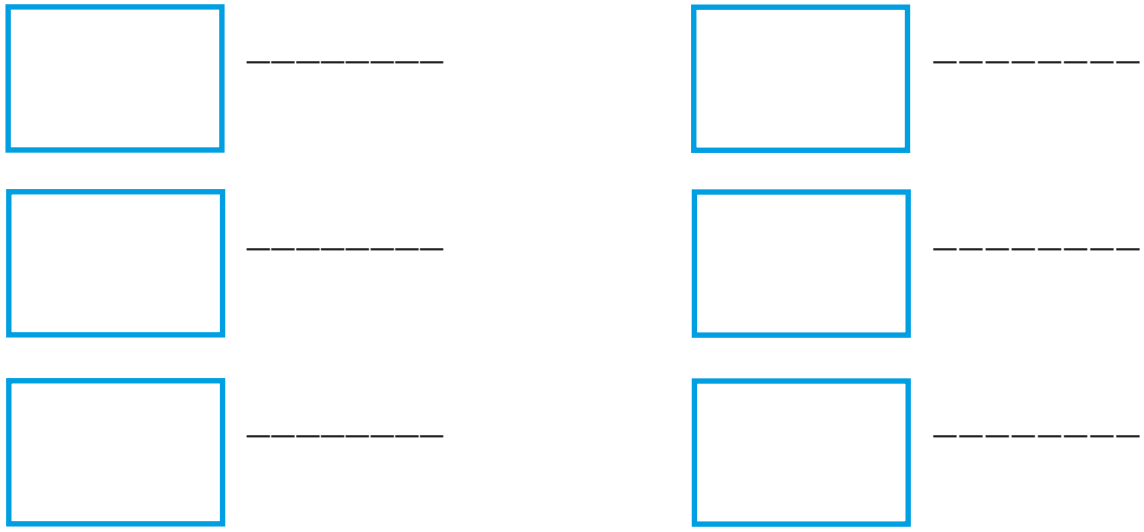

हमने क्या सीखा

लिखित

1. नज़री नक्शे में संकेतों का क्या काम है ?
2. अपने घर से दूर रहने वाले अपने किसी दोस्त के घर पहुँचने तक का नज़री नक्शा बनाओ।
3. किसी स्थान तक पहुंचने के लिए नज़री नक्शा हमारी सहायता कैसे कर सकता है ?
4. अपनी पर्यावरण अध्ययन पुस्तक की लम्बाई, चौड़ाई और मोटाई माप कर लिखो।

   लम्बाई .....

   चौड़ाई .....

   मोटाई .....

5. एक गाँव का दृश्य बनाएँ या उगते सूर्य का चित्र या हल से खेत जोतता हुआ किसान का चित्र बनाएँ।

6. विभिन्न आकृतियों का उपयोग करते हुए मोर, चिड़िया या गुड़िया का चित्र बनाएँ–

जैसे– चिड़िया का चित्र बनाकर यहाँ बताया गया है।

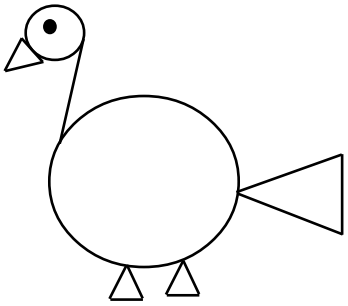

7. एक तिपाई पर ढक्कन से ढका मटका रखा है। उसके ऊपर से पानी निकालने का बर्तन (पाव) उल्टा रखा है। इस परिस्थिति का तीन बिन्दुओं में चित्र बनाएँ।

(1) ऊपर से देखने पर

(2) सामने से देखने पर

(3) पार्श्व से देखने पर

खोजो आस–पास

1. अपने गाँव/मोहल्ले का नज़री नक्शा बनाओ।
2. इस प्रकार के नज़री नक्शे और कहां–कहां पर मिल सकते हैं ? पता करो।
3. बच्चे अपने उपयोग में आने वाली वस्तुओं जैसे पुस्तक, पेन, रबड़, कुर्सी, टेबल, बस्ता, कक्षा अथवा विद्यालय के किसी हिस्से का चित्र बनाएँ और अपनी कक्षा में इन्हें लगाएँ।

E6AS4Z

E6JN6M

24

आओ सवारी करें

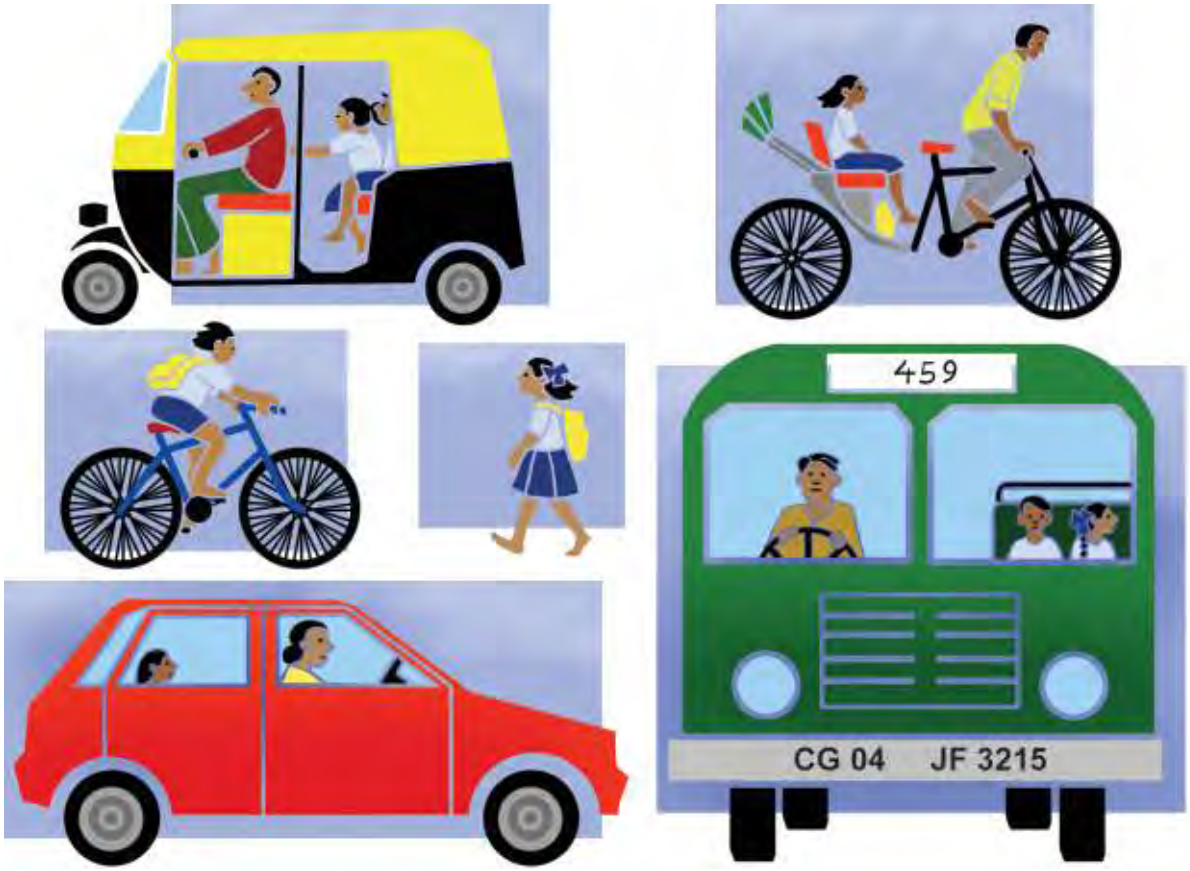

तुम शाला कैसे आते हो? जैसे आते हो उस तरीके को पहचान कर ऊपर दिए गए चित्र पर सही (√) का निशान लगाओ।

सामान खरीदने के लिए बाजार तक किस साधन से जाते हो?

1. ———————— 2. ———————— 3. ————————

तुम्हारे पिताजी काम पर किस साधन से जाते हैं?

————————————————————

अक्सर हमें काम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर आना–जाना पड़ता है। यदि जगह पास में हो तो पैदल जा सकते हैं। यदि जगह दूर है तो वहाँ जाने लिए हम जीप, टैक्सी, बस, तांगा, रिक्शा, मोटरसाइकिल, साईकिल, रेलगाड़ी आदि का उपयोग करते हैं।

नीचे दिये गये चित्र में व्यक्ति किस साधन का उपयोग कर रहे हैं –

1. ——————————————— 2. ———————————————

रामू के पिता को धान बेचने मण्डी जाना है। वे धान को मण्डी तक कैसे ले जा सकते हैं?

1. ——————————————— 2. ———————————————

कुछ वाहनों का उपयोग हम सामान लाने–ले–जाने या (ढोने) के लिए करते हैं। तुम्हारे गाँव या शहर में सामान ढोने के लिए जिन–जिन वाहनों का उपयोग होता है नीचे दिए गए उनके चित्रों पर सही (√) का निशान लगाओ।

अगर तुम्हें बस्तर का दशहरा देखने जाना हो तो तुम किन–किन वाहनों से जा सकते हो?

1. ——————————————— 2. ———————————————

तुम्हें अपने माता–पिता के साथ एक शादी में भोपाल जाना है। भोपाल तुम्हारे गाँव या शहर से बहुत दूर है। तुम वहाँ किन–किन वाहनों से जा सकते हो? सही (√) का निशान लगाओ –

बस	( )	रिक्शा	( )
रेल	( )	ऑटो	( )
स्कूटर	( )	पानी का जहाज	( )
बैलगाड़ी	( )	साइकिल	( )

बस की तुलना में रेलगाड़ी कम समय में ज्यादा दूरी तय करती है। यह लोहे से बनी पटरियों पर चलती है।

लखन के चाचा मछुआरे हैं, वे मछली पकड़ने के लिए तालाब में किसमें बैठकर जायेंगे?

———————————————————————————————

कुछ लोग नदी या समुद्र के किनारे रहते हैं। वे पानी में एक जगह से दूसरी जगह आने–जाने के लिए नाव, डोंगा, जहाज आदि को काम में लेते हैं।

जहाज

नाव

नीचे दिए गए चित्रों में रंग भरो और पहचान कर उनका नाम लिखो :–

1. ————————————————————

2. ————————————————————

एक शहर से दूसरे शहर या एक देश से दूसरे देश में कम समय में जाने के लिए हेलीकॉप्टर या हवाई जहाज को काम में ले सकते हैं।

हवाई जहाज, रेलगाड़ी की तुलना में कम समय में ज्यादा दूरी तय करता है।

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. नीचे दिए गए वाहन किस मार्ग पर चलते हैं?

   हवाई जहाज, साइकिल, नाव, रिक्शा, रेलगाड़ी

2. तुम्हारे शहर/गांव में कौन–कौन से वाहन चलते हैं?

लिखित

1. निम्नलिखित के दो–दो उदाहरण दीजिए :–

(i) सामान ढोने वाले वाहन

_____ _____

(ii) एक शहर या गाँव से, दूसरे शहर या गाँव में जल्दी पहुँचाने वाले दो वाहन

_____ _____

2. यात्रा में लगने वाले समय के आधार पर इनको धीमी गति से तेज गति के क्रम में लिखो –

(i) बैलगाड़ी _____

(ii) पैदल _____

(iii) हवाई जहाज _____

(iv) रेलगाड़ी _____

(v) मोटरसाइकिल _____

खोजो आस–पास

E6TJ8A

1. अपने घर के बुजुर्गों से पूछो कि जब वे बच्चे थे, तब एक शहर या गाँव से दूसरे शहर या गाँव में जाने के लिए किन साधनों का उपयोग करते थे?

2. अलग–अलग तरह के वाहनों के चित्र ढूंढकर अपनी कॉपी में चिपकाओ।

● ● ●

25

घटती दूरियाँ

E73F9X

सोमू और देबू बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। एक दिन सोमू स्कूल नहीं आया। पर उसी दिन गुरुजी ने कक्षा में बताया कि कल पिकनिक जायेंगे। शाम को घर जाने से पहले देबू सोमू के घर गया और उसे पिकनिक जाने की सूचना दी। अगले दिन गुरुजी ने सोमू से पूछा कि उसे कैसे पता चला कि आज पिकनिक जाएँगे? तब उसने बताया कि देबू ने कल शाम को ही उसके घर आकर बता दिया था।

तुम अपने दोस्तों को किन–किन तरीकों से सूचना पहुँचाते हो? लिखो।

_____ _____

_____ _____

तुम्हारे कुछ दोस्त एवं रिश्तेदार तुम्हारे गाँव में और कुछ आस–पास के गाँव में तो कुछ शहर में रहते होंगे। अपनी बहन की शादी की सूचना तुम उन तक कैसे पहुँचाओगे?

गाँव में रहने वाले को

_____

शहर में रहने वालों को

_____

तुम्हारे दोस्त और रिश्तेदार भी तुम्हें और तुम्हारे परिवार के लोगों को सूचनाएँ भेजने के लिए इन्हीं साधनों का उपयोग करते होंगे। दूसरी जगहों से मिलने वाली सूचनाएँ हम कुछ लोगों की मदद के बिना प्राप्त नहीं कर सकते। इनमें से एक है डाकिया।
अपने गाँव में आने वाले डाकिये से इन बातों की जानकारी प्राप्त करो –

1. उसका नाम क्या है?

   _____

2. वह डाक बाँटने किस सवारी से आता है?

   _____

3. उसके कपड़ों का रंग कैसा है?

   _____

4. उसके थैले में क्या–क्या सामग्री होती है?

(i) _____ (ii) _____ (iii) _____ (iv) _____

5. वह इस सामग्री का क्या करता है?

_____

_____

_____

प्रभा पचेड़ा गाँव में रहती है। उसे अपने बड़े भाई की शादी की सूचना रायपुर में रहने वाली अपनी मौसी को देनी है। नीचे दिए गए चित्रों को देखकर अनुमान लगाओ कि पचेड़ा गाँव से चिट्ठी रायपुर किस क्रम में पहुँचेगी ? (चाहो तो शिक्षक की मदद ले सकते हो)

पत्र की यात्रा

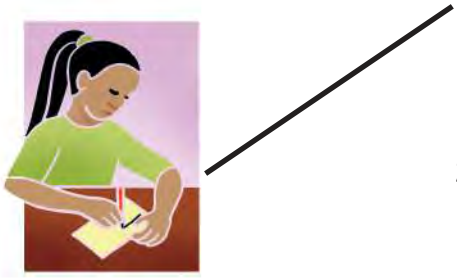

1.

2.

3.

4.

5.

6.

चिट्ठी लिखने के लिए प्रभा ने पोस्टकार्ड कहाँ से खरीदा होगा?

.....

डाकघर जाकर नीचे लिखी वस्तुओं का उपयोग एवं मूल्य पता कर लिखो।

क्र.	वस्तु का नाम	मूल्य	उपयोग
1.	पोस्टकार्ड		
2.	लिफाफा		
3.	अन्तर्देशीय पत्र		
4.	टिकट		

एक जगह से दूसरी जगह संदेश पहुँचाने के बहुत से साधन हो सकते हैं – जैसे, पोस्टकार्ड, टेलीफोन, मोबाईल, फैक्स मशीन, रेडियो, टेलीविजन, समाचार–पत्र आदि। अपने आसपास के लोगों से बातचीत करो और पता करके लिखो कि उन्हें इन साधनों से कौनसी सूचनाएँ या जानकारियाँ मिलती हैं।

क्र.	संचार के साधन	सूचनाएं
1.	पोस्टकार्ड	
2.	टेलीफोन	
3.	रेडियो	
4.	टेलीविजन	
5.	समाचार–पत्र	
6.	———————	

संदेश पहुंचाने के ये सभी साधन हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। इनसे हमें घर बैठे ही अपने गाँव, शहर, देश और विदेश की महत्वपूर्ण जानकारियाँ और सूचनाएँ मिल जाती हैं।

वे साधन जिनसे हमें संदेश प्राप्त होते हैं या जिनसे हम अपना संदेश भेज सकते हैं। संचार के साधन कहलाते हैं।

हमने क्या सीखा ?

मौखिक

1. तुम्हारे घर एवं पड़ोस में/शाला में कौन सा समाचार–पत्र आता है?
2. एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेश पहुँचाने के लिए डाकघर में क्या–क्या सामग्री मिलती है?

लिखित

1. संचार के साधन किसे कहते हैं ?
2. दूरदर्शन से हमें क्या–क्या जानकारियाँ प्राप्त होती हैं?
3. एक शहर से दूसरे शहर तक संदेश पहुँचाने के लिए हम किन साधनों का उपयोग करते हैं?
4. संदेश पहुँचाने के साधनों का हमारे लिए क्या–क्या उपयोग है?

खोजो आस–पास

1. पुराने अख़बार एवं पत्रिकाओं से संचार के साधनों के चित्रों को काटकर अपनी कॉपी में चिपकाओ।
2. पुराने समय में संदेशों को एक स्थान से दूसरे स्थान को भेजने के लिये किन साधनों का प्रयोग होता था बड़ों से पता करो।

E7CBBK

26

लुढ़कता चले पहिया

E7L7D8

क्या तुमने कभी बैलगाड़ी, साइकिल, स्कूटर या अन्य किसी वाहन पर सवारी की है ? इन्हें देखा तो होगा ही। ये सभी आसानी से चलते हैं।
ये आसानी से क्यों चल पाते हैं? जबकि मेज, बक्सा आदि नहीं चल पाते ? सोचो।

ये आसानी से इसलिए चल पाते हैं क्योंकि इनमें पहिए हैं।

और किस–किस चीज में पहिए होते हैं?

_____

_____

जब पहिये नहीं थे तो क्या होता था? इधर–उधर जाने में क्या दिक्कतें आती होंगी? आपस में चर्चा करो।

पहिए कहाँ–कहाँ ?

जीप, ट्रेन, घिरनी, रस निकालने की मशीन आदि सभी में पहिए लगते हैं। पहिए ट्रकों, बसों, तांगों, हवाई जहाजों में भी लगते हैं।

अपने आस–पास देखो। पहिए का कहाँ–कहाँ पर उपयोग होता है? इन सभी जगहों/चीजों को तालिका में भरो। यह भी लिखो की पहिए किस काम आते हैं? इनके उपयोग व काम तालिका में भरो –

क्रमांक	उपयोग किस स्थान/चीज में है?	क्या काम आता है?

सोचो और चर्चा करो

1. अगर हमारे पास पहिए नहीं होते तो हम क्या–क्या नहीं कर पाते?
2. पहिए नहीं होते तो हमारे जीवन पर क्या असर पड़ता?

किसके बने पहिए

क्या तुम्हें पता है बैलगाड़ी का पहिया किस से बनता है? कुम्हार का चाक और गन्ने का रस निकालने वाली मशीन का पहिया किससे बनता है? ट्रक, बस, कार आदि के टायर किससे बनते हैं? अपने दोस्तों के साथ चर्चा करो और जरूरी समझो तो अपनी शिक्षक से भी पता कर इसे तालिका में भरो।

क्रमांक	पहिया कहाँ लगा है?	किससे बना है?	छोटा है या बड़ा?

हमने क्या सीखा ?

लिखित

1. हर एक के दो–दो उदाहरण दो –
   (i) दो पहिए वाले वाहन
   (ii) तीन पहिए वाले वाहन
   (iii) चार पहिए वाले वाहन
   (iv) छः पहिए वाले वाहन
   (v) छः से अधिक पहिए वाले वाहन

E7V3EV

2. हमारे जीवन में पहिए के कोई तीन उपयोग लिखो।

खोजो आस–पास

1. मिट्टी या तार से विभिन्न आकार के पहिये बनाओ। उन्हें फर्श पर चला कर देखो।

27

आओ खेलें खेल

चित्रों में बच्चे कौन–कौन से खेल, खेल रहे हैं? पहचानकर चित्र के नीचे उसका नाम लिखो–

____

____

____

तुम और तुम्हारे दोस्त और कौन–कौनसे खेल खेलते हो? लिखो।

1. ———————————— 2. ————————————

3. ———————————— 4. ————————————

5. ———————————— 6. ————————————

7. ———————————— 8. ————————————

पतंग तो कोई अकेले भी उड़ा सकता है पर अकेले कबड्डी तो नहीं खेल सकते। किस खेल में कितने बच्चे एक साथ खेलते हैं? पता करो और नीचे की तालिका में भरो –

क्र.	खेल का नाम	कितने साथी चाहिए
1.		
2.		
3.		
4.		

साँप सीढ़ी खेलने के लिए एक बोर्ड चाहिए और एक पासा भी। पर कबड्डी, गिल्ली डण्डा, कैरम, क्रिकेट, फुगड़ी, पच्चीसा, खेलने के लिये क्या–क्या चाहिए?
नीचे दी तालिका में लिखो।

क्र.	खेल का नाम	क्या–क्या सामान चाहिए
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

खेल के नियम

हर खेल को खेलने का अपना एक तरीका होता है और उसके अपने ही नियम होते हैं। खेल को इन नियमों के अनुसार ही खेलना पड़ता है चाहे कोई हारे या जीते। तुम जो खेल खेलते हो उनके क्या–क्या नियम हैं? अपनी पसंद के किसी एक खेल के बारे में लिखो कि तुम कैसे खेलते हो?

_____

_____

_____

_____

क्या तुम कभी पिट्ठुल खेलते हो? चलो हम तुम्हें पिट्ठुल खेलने का तरीका और उसके नियमों के बारे में बताते हैं।

पिट्ठुल का खेल

यह खेल मैदान में खेला जाता है और इसे बहुत से बच्चे मिलकर एक साथ खेल सकते हैं। पिट्ठुल खेलने के लिए एक गेंद और सात पिट्ठुल चाहिए। अपने गुरुजी से चर्चा करके इस खेल के नियमों को समझ लेना और फिर इसे मैदान में खेलना।

इस खेल को दो समूह मिलकर खेलते हैं। एक समूह में 3 से लेकर 8 बच्चे हो सकते हैं। मैदान में सात पिट्ठुलों को एक के ऊपर एक रखते हैं और थोड़ी दूरी से गेंद से इन पिट्ठुलों को गिराते हैं। गिराने वाला समूह उन पिट्ठुलों को पुनः एक के ऊपर एक जमाने की कोशिश करता है और दूसरा समूह उन्हें गेंद मारकर आउट करने की कोशिश करता है। इस खेल को खेलने के कुछ नियम हैं जो नीचे दिए गए हैं पर यदि तुम चाहो तो अपने नियम खुद मिलकर तय कर सकते हो।

1. सबसे पहले चित – पट करके पिट्ठुल फोड़ने/गिराने वाला पहला समूह तय करो।
2. गेंद से निशाना लगाकर पिट्ठुल फोड़ने/गिराने की दूरी तय करके वहाँ निशान बना दो।
3. यदि गेंद से पिट्ठुल नहीं फूटता और दूसरी टीम के खिलाड़ी उसे एक टप्पे के बाद कैच कर लेते हैं तो मारने वाला आउट हो जाता है। उसके बाद दूसरे साथी की बारी आती है। अगर टीम के सभी खिलाड़ी बगैर पिट्ठुल फोड़े कैच आऊट हो जाते हैं तो फिर दूसरे समूह की बारी आती है।
4. जब पिट्ठुल फूट जाता है और गेंद कैच कर ली जाती है तो पिट्ठुल फोड़ने वाला समूह आउट हो जाता है।
5. पिट्ठुल जमाने से पहले यदि गेंद पिट्ठुल फोड़ने वाले समूह के किसी खिलाड़ी को लग जाती है तो वह खिलाड़ी आउट हो जाता है।
6. यदि गेंद समूह के किसी साथी को नहीं लगती और वह बच–बचकर पिट्ठुल जमा लेते हैं तो दूसरे समूह पर एक अंक चढ़ जाता है।
7. जब एक समूह के सारे खिलाड़ी आउट हो जाते हैं तो दूसरे समूह को पिट्ठुल फोड़ने का मौका दिया जाता है।

इस प्रकार यह खेल चलता रहता है।

हमनें क्या सीखा ?

मौखिक

1. तुम्हारी शाला में खेले जाने वाले खेलों के नाम बताओ।
2. बिना सामग्री वाले कौन–कौन से खेल हैं?
3. तुम कौन–कौन से खेल घर (कमरे) के अन्दर खेल सकते हो?

लिखित

1. किन्हीं पाँच मैदानी खेलों के नाम लिखो।
2. (i) पिट्ठुल खेलने के लिए कितनी टीमें बनाते हैं?
   (ii) पिट्ठुल के खेल में पूरा समूह कब आउट हो जाता है?
   (iii) पिट्ठुल में अंक कब चढ़ता है?

खोजो आस–पास

1. तुम्हारे दादा–दादी और माता–पिता जब छोटे थे तब वे कौन–कौन से खेल खेलते थे? पता करो।
2. फुटबाल कैसे खेलते हैं? खेलने का तरीका व खेलने के नियम पता करो।
3. किसी खेल को खेलते समय के दो चित्र बनाओ।
4. विभिन्न खेलों जैसे क्रिकेट, एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिन्टन, वालीबॉल, बास्केटबॉल आदि में खेलने वाले महिला खिलाड़ियों के नाम पता करें एवं अपने दादा–दादी या बड़ों से पूछकर पता करें उनके समय के प्रसिद्ध महिला खिलाड़ी कौन–कौन थे।

E8DUI6

28

राजू गया तालाब पर

E8MQJT

एक दिन राजू उसके गांव के पास के तालाब को देखने गया। वर्षा के दिन थे। तालाब लबालब भरा हुआ था। तालाब के किनारे बैठे मेंढक टर्र–टर्र कर रहे थे। मज़ा लेने के लिए राजू कँकड़ उठा–उठाकर मेंढकों को मारने लगा। कंकड़ लगने से मेंढक फुदक–फुदक कर इधर–उधर भागने लगे। राजू को मेंढकों के पीछे भागने और उन्हें कँकड़ मारने में मजा आ रहा था।

रात को राजू जब सोया तो उसने सपने में क्या देखा कि एक गाय उसको सींग से मारने के लिए उसके पीछे दौड़ रही है। राजू आगे और गाय पीछे। डर के मारे वह थर–थर काँपने लगा। चोट लगने के भय से अचानक वह जोर से चिल्लाया और नींद से उठ गया। उसके पास सो रही उसकी मां ने कहा कि क्या बात हुई राजू? इतने डरे हुए क्यों हो बेटा? राजू ने रोते हुए सारा किस्सा माँ को सुनाया।

राजू ने मेंढकों को पत्थर मारा क्या यह उचित था ? सोचो।

एक वृद्ध महिला (दादी माँ) सड़क के किनारे सड़क पार करने के लिए खड़ी थी। थोड़ी देर में एक स्कूल जाने वाला बच्चा दादी माँ के पास से गुजरा। दादी माँ ने उसे बुलाया किन्तु वह दादी माँ को देख कर आगे बढ़ गया। उसी समय दूसरी ओर से एक बच्ची उसी सड़क से गुजर रही थी। दादी माँ के पास पहुँचने पर वह उसे देखकर अपने आप ही रूक गयी। उसने दादी माँ को सहारा देकर सड़क पार करवायी। फिर वह स्कूल की तरफ चल दी।

अभी तुमने देखा कि दादी माँ को सहायता की जरूरत पड़ी। हमारे समाज में बड़े बुजुर्गों को इसी तरह विभिन्न कार्यों के लिए सहायता की जरूरत पड़ती है। आस–पास यदि दिव्यांग व्यक्ति हो तो उन्हें भी संवेदनशीलता की जरूरत होती है। जिससे वे आत्म निर्भर बन सके।

तुमने भी इस तरह के लोगों की मदद की होगी उसे कॉपी में लिखो और अपने कक्षा में आपस में चर्चा करो।

हमनें क्या सीखा ?

मौखिक

1. मेंढक फुदक–फुदक कर इधर–उधर क्यों भाग रहे थे?
2. क्या राजू मेंढकों के साथ ठीक बर्ताव कर रहा था?
3. तुमने राजू के इस बर्ताव से क्या सबक सीखा?
4. राजू की माँ ने राजू को क्या कहा होगा?
5. राजू ने सपने से क्या सबक सीखा होगा?

लिखित

1. बुढ़िया ने लड़के को क्यों बुलाया होगा?
2. तुम्हें उन दोनों लड़के और लड़की में से किसका व्यवहार अच्छा लगा?
3. कोई ऐसी घटना बताओ जिसमें तुमने किसी की मदद की हो।
4. क्या आपको विशेष आवश्यकता वाले लोगों (हाथ, पैर, आँख से बाधित) आदि की मदद करना अच्छा लगता है?

   क्या आपने ऐसे लोगों की कभी मदद की है?

   आपने ऐसे लोगों की मदद किस प्रकार की है?

खोजो आस–पास

1. तुम घर के लोगों की किस तरह से मदद कर सकते हो?
2. घर का क्या–क्या काम तुम्हारे जिम्मे है?

E8WLLG

क्या आप जानते हैं इकबाल आपसे क्या कह रहा है?

इकबाल आपसे कह रहा है मैं कक्षा में प्रथम आया!

सांकेतिक भाषाः सामान्य परिचय

सांकेतिक भाषा का उपयोग श्रवण बाधित व्यक्ति द्वारा संप्रेषण हेतु किया जाता है। सुनने के अभाव में श्रवण बाधित सांकेतिक भाषा का उपयोग करते हैं। आमतौर पर लोगों की धारणा है कि सांकेतिक भाषा में व्याकरण का अभाव होता है परन्तु यह सही नहीं है, सांकेतिक भाषा में भी व्याकरण है। व्याकरण की दृष्टि से अमेरिकन सांकेतिक भाषा सबसे ज्यादा उन्नत है। अमेरिकन सांकेतिक भाषा फिंगर स्पेलिंग पर निर्भर है तथा वहां सिंगल हैण्डेड फिंगर स्पेलिंग का प्रयोग किया जाता है। इंडियन सांकेतिक भाषा में डबल हैंड़ेड फिंगर स्पेलिंग का प्रयोग किया जाता है। आइये अब हम डबल हैंड़ेड फिंगर स्पेलिंग जाने–